राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 24 जनवरी 2025 वर्ष-8,अंक-02 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नेताजी की जयंती पर पीएम मोदी बोले- अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलें और विकसित भारत के लिए हों एकजुट

-ओडिशा के कटक में आयोजित कार्यक्रम को किया ऑन लाइन संबोधित

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर पराक्रम दिवस पर लोगों से विकसित भारत के निर्माण के लिए एकजुट होने की अपील की। ओडिशा के कटक में आयोजित कार्यक्रम को वीडियो संदेश के जरिए संबोधित करते हुए उन्होंने नेताजी को याद किया और देश के लिए उनके योगदान को प्रेरणा का स्रोत बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कि नेताजी ने कंफर्ट जोन से बाहर निकलकर आजादी के लिए संघर्ष किया। हमें भी विकसित भारत के निर्माण के लिए अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलना होगा। हमें उत्कृष्टता और दक्षता को अपनाते हुए खुद को दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बनाना है। उन्होंने नेताजी द्वारा आजाद हिंद फौज के गठन का जिक्र करते हुए कहा कि फौज में हर वर्ग और क्षेत्र के लोग शामिल थे, जिनकी भाषाएं अलग थीं, लेकिन उद्देश्य एक था- देश की आजादी। उन्होंने इसे विकसित भारत के लिए एकता की सीख बताया।

विकास और एकता पर जोर

प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को भारत की एकता को कमजोर करने वाली ताकतों से सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने कहा, कि हमें नेताजी के जीवन से प्रेरणा लेकर एकजुट रहना होगा और उनकी भावना को जीवंत रखना होगा। उन्होंने बताया कि बीते दशक में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है। गांवों और शहरों में आधुनिक अवसंरचना का तेजी से विकास हो रहा है। इसके साथ ही भारतीय सेना की ताकत और विश्व मंच पर भारत की भूमिका में भी बड़ा बदलाव आया है।

भारत की बढ़ती आर्थिक ताकत

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत विकास की तेज रफ्तार से आगे बढ़ रहा है और वह दिन दूर नहीं जब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बन जाएगा। उन्होंने कहा, कि नेताजी की प्रेरणा से हमें एक लक्ष्य-एक ध्येय के साथ विकसित भारत के लिए काम करना है।

प्रधानमंत्री ने नेताजी के नाम पर अंडमान के द्वीपों का नामकरण, इंडिया गेट पर उनकी प्रतिमा की स्थापना और उनकी जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाने जैसे फैसलों का उल्लेख किया। उन्होंने नेताजी की भारत की विरासत पर गर्व करने वाली सोच को हर भारतीय के लिए अनुकरणीय बताया। प्रधानमंत्री का यह संदेश देश को एकजुट होकर विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में प्रेरित करता है।

महाकुंभ में मिले दुश्मन देशों के धर्मगुरु, एक ही मंच से दे रहे शांति के उपदेश

-यूक्रेन और रूस के 70 से ज्यादा लोग शिविर में रह रहे हैं एक साथ

प्रयागराज।

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध चल रहा है, लेकिन दो आध्यात्मिक नेता, यूक्रेन के स्वामी विष्णुदेवानंद गिरिजी महाराज और रूस की आनंद लीला माता, महाकुंभ मेले में एक ही मंच से प्रेम, शांति और करुणा पर प्रवचन दे रही हैं। दुनिया के विभिन्न हिस्सों से भक्त उनके प्रवचन को सुनने के लिए इकट्ठा होते हैं। यूक्रेन और रूस के 70 से ज्यादा लोग शिविर में एक साथ रह रहे हैं और 100 से ज्यादा लोगों के आने की उम्मीद है। इन संतों के उपदेशों में अक्सर पारंपरिक प्रार्थनाएं और दैनिक जीवन में आध्यात्मिकता को लागू करने के बारे में चर्चाएं शामिल होती हैं। दोनों आध्यात्मिक सत्य की सार्वभौमिक प्रकृति पर जोर देते हुए अपने देशों के व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हैं। गिरिजी महाराज जिन्हें पहले वैलेरी के नाम से जाना जाता था, पूर्वोत्तर यूक्रेन के खार्किव शहर से हैं और अब जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर हैं। उन्होंने कहा कि विश्व शांति के लिए मेरा संदेश दो शब्दों में व्यक्त किया है। लोक संग्रहम और अरु पद्वै हमें लोकᳬ समस्तᳬ सुखिनो भवन्तु मंत्र को याद रखना चाहिए, जो सभी जीवों की भलाई और खुशी की कामना करता है। मानवता में सत्व ऊर्जा की कमी है। जब समाज, राष्ट्र और पृथ्वी पर ध्यान के जरिए से सत्व ऊर्जा फैलती है, तो दुनिया बेहतर के लिए बदलने लगती है और सत्य युग, स्वर्ण युग के आगमन के लिए मंच तैयार हो जाता है। आनंद माता को पहले ओल्गा के नाम से जाना जाता था, पश्चिमी रूस के निजनी नोवगोरोड से हैं। उन्होंने बताया कि कुंभ मेले में यह मेरी पांचवीं यात्रा है। पहली बार मैं महामंडलेश्वर पायलट बाबा के निमंत्रण पर यहां आई थी। 2010 में मैंने महामंडलेश्वर का पद स्वीकार किया और तब से मैं करीब हर कुंभ मेले में आती रही हूं।

पहला कॉलम

नेताजी की जयंती पर संसद के सेंट्रल हॉल में हुआ विशेष आयोजन

बच्चों से मिले प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 128वीं जयंती पर देश भर में कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर संसद के सेंट्रल हॉल में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में विशेष आयोजन हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर जहां उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की वहीं संसद के सेंट्रल हॉल में आयोजित विशेष कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस आयोजन में पीएम मोदी समेत लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद थे। पुष्पांजलि के उपरांत पीएम मोदी वहां मौजूद स्कूली बच्चों से मिले थे और बीच पहुंचे और उनसे चर्चा की। बच्चों ने नेताजी की तरह टोपी पहनी हुई थी, जबकि पीएम मोदी ने भी उनकी ही तरह ओवरकोट पहना हुआ था। इस अवसर पर पीएम मोदी ने मौजूद बच्चों से बातचीत कर उनका हौसला बढ़ाया। इसी बीच पीएम मोदी ने बच्चों के साथ जय हिंद के नारे भी लगाए। इस आयोजन से पहले पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर एक पोस्ट करते हुए कहा, भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में उनका योगदान अद्वितीय है। साहस और धैर्य के वे प्रतीक थे। हमें उनका विजन प्रेरित करता रहता है क्योंकि हम उनके सपनों के भारत के निर्माण की दिशा में कार्य करते हैं।

महाकालेश्वर मंदिर की भस्म आरती में मोबाइल प्रतिबंधित

उज्जैन । उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर की भस्म आरती में श्रद्धालुओं के मोबाइल ले जाने पर रोक लगाई गई है। भस्म आरती में मौजूद रहने वाले पुजारियों के संदर्भ में अभी कोई निर्णय नहीं हुआ है। पिछले काफी दिनों से उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर परिसर में रील बनाने के मामले सामने आए हैं। इसके बाद से मोबाइल ले जाने पर रोक लगाने की की मांग उठ रही थी। मंदिर समिति के सुरक्षा अधिकारी जयंत सिंह राठौड़ ने बताया है कि महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में होने वाली भस्म आरती के दौरान मोबाइल पर पूर्णतः प्रतिबंध किया गया है। 23 जनवरी से यह नियम लागू होगा। राठौड़ ने बताया है कि श्रद्धालुओं से मोबाइल मंदिर के प्रवेश द्वार पर ही जमा कराया जाएगा और लौटते समय टोकन नंबर में माध्यम से मोबाइल लौटा दिया जाएगा। जब पूछा गया कि मंदिर के पुजारी और सुरक्षाकर्मियों के लिए क्या व्यवस्था रहेगी, इस पर कहा कि हालांकि मंदिर के सुरक्षा कर्मियों और पुजारी, पुरोहितों के लिए ये निर्णय अभी लागू नहीं है। ज्ञात हो कि बीते दिनों मंदिर परिसर व महाकाल लोक में युवतियों द्वारा बॉलीवुड गानों पर रील्स बनाई गई थी। उसके बाद वायरल रील्स से काफी विवाद हुआ था। इसके यह फैसला लिया गया है। मंदिर के पुजारियों द्वारा महाकाल के श्रृंगार की तस्वीर और वीडियो शेयर किए जाते है। पुजारी ऐसा इसलिए करते हैं, क्योंकि उनसे जुड़े हजारों लोगों तक महाकाल की आरती व श्रृंगार की जानकारी आसानी से पहुंच सके। इसके चलते अभी पुजारियों के मोबाइल के संदर्भ में कोई फैसला नहीं हुआ है।

महाकुंभ में निमंत्रण की जरूरत नहीं, सभी को पवित्र होने वहां जाना चाहिए

-अमित शाह ने अहमदाबाद में हिन्दू आध्यात्मिक मेले का किया शुभारंभ

अहमदाबाद।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को अहमदाबाद के जीएमडीसी मैदान पर हिन्दू आध्यात्मिक एवं सेवा संस्थान द्वारा आयोजित मेले के शुभारंभ करते हुए गृहमंत्री अमित शाह ने सभी से अपील है महाकुंभ में जाओ, युवाओं को ले जाओ। शाह ने कहा कि उन्होंने अपने जीवन में 9 कुंभ में गए हैं।

अर्धकुंभ देखे हैं, लेकिन महाकुंभ में भी 27 जनवरी को जाने वाला हूं। आप सभी को भी पवित्र होने के लिए जाना चाहिए।

अमित शाह ने कहा कि पिछले 10 सालों में भारत का गौरव बढ़ा है। केंद्र सरकार ने भारत के धर्म स्थानों और भारत की दैवीय मूर्तियां जो चोरी हुई थीं। दुनियाभर में थीं वह वापस लाई गई हैं। उन्होंने कहा कि आज की सरकार ने कभी पीछे मूड़ कर नहीं देखा। आगे के पांच सालों में ऐसा नहीं होगा। शाह ने कहा कि बीते 10 सालों में मोदी पीएम हैं।

दस साल से बीजेपी की सरकार है लेकिन बीते दस सालों में अपनी विचारधारा और आइडियोलॉजी के काम पूरे किए हैं। उन्होंने कहा कि 550 साल से रामलाला टेंट से बाहर आए मंदिर बना, 370 हटी, सात दशक तक जिन कार्य को हाथ लगाने की हिम्मत नहीं की वह कार्य आज पूरे हुए हैं।

शाह ने कहा कि यहां मेले का उद्घाटन हुआ तो प्रयाग में कुंभ मेला चल रहा है। अनेक देशों के लोगों ने मुझसे कहा कि हमें आमंत्रण पत्र चाहिए मैंने कहा कुंभ मेले में कोई निमंत्रण की जरूरत नहीं है। एक साथ वहां करोड़ों लोग पहुंचते हैं। कुंभ की व्यवस्था हजारों संत करते हैं। वे ठंड में जमीन पर सोते है और गंगा स्नान करते हैं।

शाह ने कहा कि मुगल, कांग्रेस के दौर में भी कुंभ का आयोजन होता था और आज भी महाकुंभ का आयोजन हुआ है। गुजरात की जनता से अपील है कि हर किसी को मौका नहीं मिलता 144 साल में एक बार अवसर आता है हर किसी को जाना चाहिए, खुद को पवित्र करने के लिए।

भारत ने कभी भी पाकिस्तान के साथ व्यापार बंद नहीं किया

जयशंकर ने कहा-हम पाकिस्तान को एमएफएन का दर्जा देते थे उसने नहीं दिया

नई दिल्ली।

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान के साथ फिर से व्यापार शुरू करने को लेकर कोई बातचीत नहीं हुई है। वाशिंगटन में एक संवाददाता सम्मेलन में बोले हुए जयशंकर ने कहा कि पिछले साल के बाद से पाकिस्तान के साथ व्यापार पर कोई बातचीत नहीं हुई है और न ही पाकिस्तान की तरफ से कोई पहल की है। उन्होंने कहा कि भारत ने कभी भी पाकिस्तान के साथ व्यापार बंद नहीं किया बल्कि 2019 में पाकिस्तान सरकार ने ही इसे बंद करने का फैसला किया। जयशंकर ने कहा कि शुरू से ही हमारी कोशिश रही है कि भारत को सर्वाधिक तरजीही राष्ट्र (एमएफएन) का दर्जा मिले। हम पाकिस्तान को एमएफएन का दर्जा देते थे, लेकिन उसने हमें वह दर्जा नहीं दिया।

जम्मू-कश्मीर से धारा 370 के अधिकतर प्रावधानों को खत्म किए जाने के बाद अगस्त 2019 में इमरान खान के नेतृत्व वाली तत्कालीन पाकिस्तान सरकार ने सभी द्विपक्षीय व्यापार खत्म कर दिए थे। पाकिस्तान ने भारत के साथ अपने राजनयिक संबंधों को भी कम कर दिया था।

महाकुंभ में मिले दुश्मन देशों के धर्मगुरु, एक ही मंच से दे रहे शांति के उपदेश

-यूक्रेन और रूस के 70 से ज्यादा लोग शिविर में रह रहे हैं एक साथ

प्रयागराज।

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध चल रहा है, लेकिन दो आध्यात्मिक नेता, यूक्रेन के स्वामी विष्णुदेवानंद गिरिजी महाराज और रूस की आनंद लीला माता, महाकुंभ मेले में एक ही मंच से प्रेम, शांति और करुणा पर प्रवचन दे रही हैं। दुनिया के विभिन्न हिस्सों से भक्त उनके प्रवचन को सुनने के लिए इकट्ठा होते हैं। यूक्रेन और रूस के 70 से ज्यादा लोग शिविर में एक साथ रह रहे हैं और 100 से ज्यादा लोगों के आने की उम्मीद है। इन संतों के उपदेशों में अक्सर पारंपरिक प्रार्थनाएं और दैनिक जीवन में आध्यात्मिकता को लागू करने के बारे में चर्चाएं शामिल होती हैं। दोनों आध्यात्मिक सत्य की सार्वभौमिक प्रकृति पर जोर देते हुए अपने देशों के व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हैं।

गिरिजी महाराज जिन्हें पहले वैलेरी के नाम से जाना जाता था, पूर्वोत्तर यूक्रेन के खार्किव शहर से हैं और अब जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर हैं। उन्होंने कहा कि विश्व शांति के लिए मेरा संदेश दो शब्दों में व्यक्त किया है। लोक संग्रहम और अरु पद्वै हमें लोकᳬ समस्तᳬ सुखिनो भवन्तु मंत्र को याद रखना चाहिए, जो सभी जीवों की भलाई और खुशी की कामना करता है। मानवता में सत्व ऊर्जा की कमी है। जब समाज, राष्ट्र और पृथ्वी पर ध्यान के जरिए से सत्व ऊर्जा फैलती है, तो दुनिया बेहतर के लिए बदलने लगती है और सत्य युग, स्वर्ण युग के आगमन के लिए मंच तैयार हो जाता है। आनंद माता को पहले ओल्गा के नाम से जाना जाता था, पश्चिमी रूस के निजनी नोवगोरोड से हैं। उन्होंने बताया कि कुंभ मेले में यह मेरी पांचवीं यात्रा है। पहली बार मैं महामंडलेश्वर पायलट बाबा के निमंत्रण पर यहां आई थी। 2010 में मैंने महामंडलेश्वर का पद स्वीकार किया और तब से मैं करीब हर कुंभ मेले में आती रही हूं। जब रूस और यूक्रेन के लोग सद्भाव में एक साथ बैठते हैं तो यह एक उदाहरण प्रस्तुत करता है कि कैसे आध्यात्मिक खोज राष्ट्रीय पहचान से परे लोगों को एकजुट कर सकती है।

खराब स्वास्थ्य के चलते राहुल गांधी की मुस्तफाबाद की रैली भी हुई रद्द

कांग्रेस ने आप को 'अल्कोहल अफेक्टेड पार्टी बताया

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और रायबरेली से सांसद राहुल गांधी गुरुवार को भी दिल्ली में चुनाव प्रचार नहीं कर सके। उनकी मुस्तफाबाद की रैली भी रद्द हुई है। कांग्रेस पार्टी ने कहा कि तबीयत खराब होने की वजह से राहुल गांधी चुनाव प्रचार करने नहीं आ सके। बता दें कि बुधवार को राहुल गांधी को सदर बाजार में जनसभा को संबोधित करना था, लेकिन राहुल गांधी यहां भी नहीं पहुंचे। खराब स्वास्थ्य के चलते राहुल की नई दिल्ली सीट पर प्रस्तावित कार्यक्रम भी रद्द करना पड़ा। वे 21 जनवरी को कर्नाटक के बेलगावी में कांग्रेस की जय बाबू, जय भीम, जय संविधान रैली में भी शामिल नहीं हुए थे। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि राहुल आने वाले दिनों में दिल्ली में कई जनसभाएं कर सकते हैं। वे रोड शो और पदयात्रा में भी शामिल हो सकते हैं।

कांग्रेस ने पूर्ववर्ती अरविंद केजरीवाल सरकार की शराब नीति में कथित भ्रष्टाचार को लेकर गुरुवार को आम आदमी पार्टी (आप) पर निशाना साधकर आरोप लगाया कि 'आप' का मतलब 'अल्कोहल अफेक्टेड पार्टी आप) है तथा 'शराब से पैसा बनाने की उसकी लत' ने दिल्ली को पूरी तरह बर्बाद कर दिया। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि एक ऑडियो भी जारी किया जो कथित तौर पर आप विधायक शरद चौहान का है। कांग्रेस द्वारा जारी ऑडियो में दावा किया गया कि उपमुख्यमंत्री रहते आप नेता मनीष सिसोदिया ने शराब नीति को मंजूरी देने के साथ कहा था कि उनकी पार्टी को चुनाव लड़ने के लिए इससे पैसा आएगा। कांग्रेस नेता द्वारा जारी ऑडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

वहीं आप की तरफ से फिलहाल इन आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। खेड़ा ने कहा, 'शराब स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है और शराब की लत इंसान, उसके परिवार और समाज को बर्बाद कर देती है, यह हम सब जानते हैं। लेकिन शराब से पैसा बनाने की लत से न सिर्फ इंसान और समाज बल्कि पूरा शहर खराब हो जाता है। उन्होंने आरोप लगाया, 'अल्कोहल अफेक्टेड पार्टी यानी आप ने शराब के जरिए पैसा बनाने की लत में पूरी दिल्ली को बर्बाद करके रख दिया।'

पिछले कुछ दिनों में कई बांग्लादेशी घुसपैठिया को पकड़ा गया

कई राज्यों में हिंदू नामों के लिबास में खुद को छिपाकर रह रहे अवैध बांग्लादेशी

बंगाल और असम में सबसे ज्यादा संख्या

मुंबई ।

फिल्म अभिनेता सैफ अली खान पर हमला करने वाला आरोपी शरीफुल इस्लाम शहजाद बांग्लादेशी घुसपैठिया निकला, जो बिजॉय दास नाम से मुंबई में रह रहा था। मुंबई में एक बांग्लादेशी महिला कुलसुम शेख को भी मुंबई पुलिस ने पकड़ लिया है। वह 2016 से मोहिनी के नाम से शहर में रह रही थी। इसतरह से कई बांग्लादेशी बेंगलुरु, दिल्ली, यूपी, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, असम, कर्नाटक और देश के कई राज्यों से पकड़े जा चुके हैं, जिन्होंने भारत में हिंदू नामों के लिबास में खुद को छिपाया हुआ है। दिल्ली में आए दिन बांग्लादेशियों के पकड़े जाते हैं। देश के कई हिस्से हैं, जहां अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण इलाके की डेमोग्राफी बदल गई है। पिछले दिनों पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने भी बीएसएफ पर घुसपैठ कराने के सनसनीखेज आरोप लगाए थे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, कश्मीर से कन्याकुमारी के बीच देश के करीब 17 राज्यों में करीब दो करोड़ बांग्लादेशी अवैध रूप से निवास कर रहे हैं। इस बारे में पहला आधिकारिक आंकड़ा संसद में 2007 में आया था। तब तत्कालीन गृह राज्य मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल ने बताया था कि भारत में 1.2 करोड़ अवैध बांग्लादेशी हैं। हालांकि बाद में उन्होंने आंकड़े के स्रोतों को गलत बताकर अपना बयान वापस ले लिया था। फिर दूसरी बार इस पर सीबीआई के पूर्व डायरेक्टर जोगिंदर सिंह ने 2014 में एक आंकड़ा रखा। तब उन्होंने अनुमान लगाया था कि देश में करीब पांच करोड़ अवैध बांग्लादेशी घुसपैठिए हैं। हालांकि इस आंकड़े की कभी पुष्टि नहीं हुई। मगर हर शहर में बनी अधिकतर अवैध झुग्गियों का कनेक्शन इन बांग्लादेशियों से रहा है।

रिपोर्टस के अनुसार, पश्चिम बंगाल में 57 लाख और असम में 50 लाख से अधिक बांग्लादेशी हैं। असम के 33 जिलों में से 9 बारपेटा, धुबरी, दरांग, नौगांव, करीमगंज, दारंग, मोरीगांव, बोंगाईगांव, धुबरी,गोलपारा और लाकांडी में मुस्लिम आबादी 50 से 80 प्रतिशत तक पहुंच गई है। बीजेपी सहित कई संगठनों का दावा है कि राज्य में 45 विधानसभा सीट पूरी तरह से मुस्लिम वोटरों के कब्जे में है, इसमें अधिकतर बांग्लादेश से पलायन कर असम पहुंचे हैं। असम के नलबाड़ी, कछार और कामरूप में भी धार्मिक जनसंख्या में बदलाव हुआ है। पिछले चार दशकों में बिहार के सीमांचल के चार जिले किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया में मुस्लिम आबादी बहुत तेजी से बढ़ी है। किशनगंज में मुस्लिम आबादी 67.58 प्रतिशत और हिंदू आबादी 31.43 प्रतिशत है। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने रिपोर्ट में दावा किया है कि झारखंड के संथाल परगना क्षेत्र में बांग्लादेशी घुसपैठ हो रही है और इस कारण से क्षेत्र की जनसांख्यिकी में काफी बदलाव आया है। विधानसभा चुनावों में इस पर खूब होहल्ला मचा था। सूत्रों के अनुसार, त्रिपुरा, असम और बंगाल में बिचौलियों की भरमार है, जो बांग्लादेशियों को भारत में अवैध तरीके से बसाने और उनके लिए फर्जी कागजात बनाते हैं। इसके अलावा बंगाल से बांग्लादेश से लगने वाले 2272 किलोमीटर लंबे बॉर्डर में कई लूप होल हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नये भारत के लिये बालिकाओं की बंद खिड़कियां खुलें

सरकार का उद्देश्य बालिका दिवस के माध्यम से बालिकाओं के साथ समान व्यवहार करने और उन्हें वे अवसर प्रदान करने की तत्काल आवश्यकता को व्यक्त करना है, जिनकी वे हकदार हैं। यह दिवस प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की शुरुआत की तिथि भी है। इसका लक्ष्य बालिका लिंग अनुपात में गिरावट के मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करना भी है। राष्ट्रीय बालिका दिवस 2025 की थीम 'उज्ज्वल भविष्य के लिए लड़कियों को सशक्त बनाना' है। इसके लिये भारत में बालिकाओं के लिए कई सरकारी योजनाएं चल रही हैं।

(लेखक -ललित गर्ग)

(राष्ट्रीय बालिका दिवस- 24 जनवरी, 2025)

जहां पांव में पायल, हाथ में कंगन, हो माथे पे बिंदिया, इट हैपन्स ओनली इन इंडिया- जब भी कानों में इस गीत के बोल पड़ते है, गर्व से सीना चौड़ा होता है। जब नवरात्र के दिनों में कन्याओं को पूजित होने के स्वर सुनते हैं तब भी शकुन मिलता है लेकिन जब उन्हीं कानों में यह पड़ता है कि इन पायल, कंगन और बिंदिया पहनने वाली बालिकाओं के साथ कैसे अत्याचार, यौन-शोषण इंडिया क्या करता है, तब सिर शर्म से झुकता है। भारतीय समाज में लड़कियों को अक्सर भेदभाव, यौन-शोषण और अन्याय का सामना करना पड़ता है। उन्हें अक्सर अपनी शिक्षा को आगे बढ़ाने के अवसर से वंचित रखा जाता है और उन्हें बहुत कम उम्र से ही घर के कामों में मदद करनी पड़ती है। इन्हीं विडम्बनाओं एवं विसंगतियों को नियंत्रित करने के लिये भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने 2008 में राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने की शुरुआत की। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य भारतीय समाज में लड़कियों के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में जागरूकता फैलाना है। यह दिन समाज में लड़कियों के खिलाफ लैंगिक असमानता, रूढ़िवादिता, भेदभाव, यौन-शोषण और हिंसा की मौजूदा समस्याओं पर प्रकाश डालता है, बालिकाओं को सशक्त बनाता है और शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में लड़कियों को समान अवसर प्रदान करने के महत्व का संदेश देता है। बालिकाओं की बन्द खिड़कियां खुलें, तभी नया भारत-सशक्त भारत बन सकेगा।

सरकार का उद्देश्य बालिका दिवस के माध्यम से बालिकाओं के साथ समान व्यवहार करने और उन्हें वे अवसर प्रदान करने की तत्काल आवश्यकता को व्यक्त करना है, जिनकी वे हकदार हैं। यह दिवस प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की शुरुआत की तिथि भी है। इसका लक्ष्य बालिका लिंग अनुपात में गिरावट के मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करना भी है। राष्ट्रीय बालिका दिवस 2025 की थीम 'उज्ज्वल भविष्य के लिए लड़कियों को सशक्त बनाना' है। इसके लिये भारत में बालिकाओं के लिए कई सरकारी योजनाएं चल रही हैं। लेकिन कई प्रभावी सरकारी योजनाओं के बावजूद भारत में बालिकाओं की स्थिति चिन्ताजनक है। देश में हुई 2016 की जनगणना में लड़कों की तुलना में लड़कियों की घटती संख्या के आंकड़े चौंकाते ही नहीं बल्कि दुखी भी करते हैं। जिस तरह से लड़के-लड़कियों का अनुपात असंतुलित हो रहा है, उससे ऐसी चिन्ता भी जतायी जाने लगी है कि यही स्थिति बनी रही तो लड़कियां कहां से लाएंगे? हालत यह है कि आंध्र प्रदेश में 2016 में प्रति एक हजार लड़कों के मुकाबले महज आठ सौ छह लड़कियों का जन्म दर्ज किया गया। यह आंकड़ा सबसे निम्न स्तर पर मौजूद राजस्थान के बराबर है। तमिलनाडु, कर्नाटक जैसे राज्यों में भी तस्वीर बहुत बेहतर नहीं है। बालिकाओं की घटती संख्या एक गंभीर चिन्ता का विषय है।

हालांकि, बहुत से लोगों का मानना है कि 21वीं सदी तक आते-आते बालिकाओं एवं महिलाओं की ज़िंदगी में बहुत बदलाव आए हैं लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि बालिकाओं एवं महिलाओं के लिए अब हालात पहले से ज्यादा खराब हो चुके हैं। कहने को भले ही लड़कियां हर मामले में लड़कों के कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हो, हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा, क्षमता एवं कौशल का लोहा मनवा रही है लेकिन उनके सामने हर रोज एक लंबी चुनौती भी खड़ी है। भारतीय बालिकाओं एवं महिलाओं की समस्याएं केवल सामाजिक अधिकारों तक ही सीमित नहीं हैं बल्कि कार्यस्थलों और घरों में भी वह मानसिक और सामाजिक रूप से प्रभावित होती हैं। बालिकाओं एवं महिलाओं की सोच में भले ही पिछले कुछ सालों की तुलना में बदलाव आए हों लेकिन मर्दों की सोच और रवैये में कुछ खास फर्क नजर नहीं आता है। ऐसा इसलिए क्योंकि सड़क पर छोटे कपड़े पहनकर चलने में लगभग हर महिला ही असुरक्षित महसूस करती है। चीरहरण करती आंखें, अंजाने में छूने वाले हाथ और सीटियों की गूंज का सामना किसी लड़के को नहीं बल्कि लड़की को ही हर रोज करना पड़ता है। कुछ घरों में आज भी लड़कों की तुलना में लड़कियों के साथ अलग व्यवहार किया जाता है। वह कैसे बोलती है, कैसे कपड़े पहनती है, अपना जीवन जीने का तरीका किस तरह चुनती है, भले ही इन बातों से उसे कोई फर्क नहीं पड़ रहा हो लेकिन उसके आसपास रहने वाले लोग इससे असुरक्षित वातावरण महसूस करने लगते हैं। ज्यादातर लोगों ऐसा मानना है कि एक बालिका को मिलनसार होना चाहिए। उसे हमेशा ही समझौता करना चाहिए। भले ही वह बातें उसे नुकसान क्यों न पहुंचा रही हों।

जन्म से पहले ही पता चल जाए कि बच्ची पैदा होगी तो ये उसकी जान लेने से भी नहीं कतराते। पिछली सदी में समाज के एक बड़े वर्ग में यह एक विभीषिका ही थी कि परिवार की धुरी होते हुए भी नारी को वह स्थान प्राप्त नहीं था जिसकी वह अधिकारिणी थी। उसका मुख्य कारण था सदियों से चली आ रही कुरीतियाँ, अंधविश्वास व बालिका शिक्षा के प्रति संकीर्णता। कितनी विडम्बना है कि देश में हम 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा बुलन्द करते हुए एक जोरदार मुहिम चला रहे हैं उस देश में लगातार बालिकाओं की संख्या घटने का दाग लग रहा है। यह दाग 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प पर भी लगा है और यह दाग हमारे द्वारा नारी को पूजने की परम्परा पर भी लगा है। लेकिन प्रश्न है कि हम कब बेदाग होंगे? अच्छे भविष्य के लिए हम बेटियों की पढ़ाई से ही सबसे ज्यादा उम्मीदें बांधते हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे नारे हमारे संकल्प को बताते हैं, हमारी सदिच्छा को दिखाते हैं, भविष्य को लेकर हमारी सोच को जाहिर करते हैं, लेकिन वर्तमान की हकीकत इससे उलट है। वे पढ़ाई में अपने झंडे भले ही गाड़ दें, लेकिन उन्हें आगे बढ़ने से रोकने की क्रूरताएं कई तरह की हैं। उसका मुख्य कारण है सदियों से चली आ रही कुरीतियाँ, अंधविश्वास व बालिका शिक्षा के प्रति संकीर्णता। शताब्दियों से हम साल में दो बार नवरात्र महोत्सव मनाते हुए कन्याओं को पूजते हैं। लेकिन विडम्बना देखिये कि सदियों की पूजा के बाद भी हमने कन्याओं को उनका उचित स्थान और सम्मान नहीं दे पाये हैं। इन त्रासद, अमानवीय एवं विडम्बनापूर्ण नारी अत्याचार की बढ़ती घटनाओं के होते हुए मां दुर्गा को पूजने का क्या अर्थ है?

बालिकाओं के साथ होने वाली त्रासद एवं अमानवीय घटनाएं -निर्भया कांड, नितीश कटारा हत्याकांड, प्रियदर्शनी मट्टू बलात्कार व हत्याकांड, जेसिका लाल हत्याकांड, रुचिका मेहरोत्रा आत्महत्या कांड, आरुषि मर्डर मिस्ट्री की घटनाओं में पिछले कुछ सालों में इंडिया ने कुछ और ऐसे मौके दिए जब अहसास हुआ कि भ्रूण में किसी तरह नारी अस्तित्व बच भी जाए तो दुनिया के पास उसके साथ और भी बहुत कुछ है बुरा करने के लिए। बहशी एवं दरिन्दे लोग ही बालिकाओं को नहीं नोचते, समाज के तथाकथित ठेकेदार कहे जाने वाले लोग और पंचायतें, तथाकथित राम-रहीम जैसे धर्मगुरु भी बालिकाओं की स्वतंत्रता एवं अस्मिता को कुचलने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे हैं, स्वतंत्र भारत में यह कैसा समाज बन रहा है, जिसमें महिलाओं की आजादी छीनने की कोशिशें और उससे जुड़ी हिंसक एवं त्रासदीपूर्ण घटनाओं ने बार-बार हम सबको शर्मसार किया है। राष्ट्रीय बालिका दिवस का अवसर इन त्रासद एवं क्रूर स्थितियों पर आत्म-मंथन करने का है, क्योंकि बालिकाओं एवं महिलाओं के समावेश, न्याय व सुरक्षा की स्थिति को बताने वाले वैश्विक शांति व सुरक्षा सूचकांक के 177 देशों में भारत का 128वां स्थान है। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं के विरूद्ध अपराध में राष्ट्रीय औसत 66.4 है। राजधानी दिल्ली का स्थान 144.4 अंकों के साथ सर्वोच्च है। माना जाता है कि 90 प्रतिशत यौन उत्पीड़न जान-पहचान के व्यक्ति ही करते हैं। यानी बालिकाएं अपने ही घर या परिचितों के बीच सबसे ज्यादा असुरक्षित है।

संपादकीय

उत्तराखंड में यू.सी.सी.

उत्तराखंड समान नागरिक संहिता को लागू करने वाला देश का पहला राज्य होगा। सोमवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में कैबिनेट ने समान नागरिक संहिता नियमावली 2025 को मंजूरी दे दी है। इसके तहत विवाह, विवाह विच्छेद, उत्तराधिकार, लिव इन रिलेशन आदि के प्रावधान शामिल किए गए हैं। सरकार का दावा है कि यूसीसी के कुशल क्रियान्वयन के लिये अत्याधुनिक तकनीक आधारित व्यवस्थाएं लागू की गई हैं। जिसके लिए नागरिकों व अधिकारियों के लिये ऑनलाइन पोर्टल तैयार किए गए हैं। यूसीसी के अंतर्गत विभिन्न पंजीकरण मसलन विवाह, तलाक, विवाह शून्यता, लिव इन रिलेशन, वसीयत आदि होंगे। सरकार ने त्वरित पंजीकरण के लिये अलग शुल्क भी निर्धारित किए हैं। सरकार का दावा है कि लिव इन रिलेशन के पंजीकरण व समाप्ति की प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। एक साथी की ओर से समाप्ति के आवेदन पर दूसरे की पुष्टि अनिवार्य होगी। उल्लेखनीय है कि समान नागरिक संहिता के वेबपोर्टल के उपयोग की शुरुआत फिलहाल सरकार की मॉक ड्रिल का हिस्सा होगा। निस्संदेह, देश में पहली बार समान नागरिक संहिता को लागू करना उत्तराखंड सरकार का ऐतिहासिक कदम है। जो सभी धर्मों के व्यक्तिगत कानूनों को मानकीकृत करने के लक्ष्य को निर्धारित कर राज्य में समानता और न्याय की राह में कदम बढ़ाता है। हालांकि, कानून के विशेषज्ञ कुछ खमियों की ओर भी इशारा करते हैं। फाइलों में यह कोड एक साहसिक दृष्टिकोण को दर्शाता है। मसलन विवाह व लिव इन संबंधों का अनिवार्य पंजीकरण, बहुविवाह और निकाह हलाला पर प्रतिबंध और बच्चों के लिये समान विरासत अधिकार देता है, चाहे उनके माता-पिता की वैवाहिक स्थिति कुछ भी हो। दूसरे शब्दों में स्त्री के अधिकारों को संरक्षण प्रदान करके समतामूलक समाज की स्थापना का वायदा करता है। एक मायने में यह लैंगिक न्याय और प्रगतिशील सोच व आधुनिक मूल्यों का प्रतीक है। लेकिन जब हम इसके प्रावधानों का गहराई से मूल्यांकन करते हैं तो कई तरह की विसंगतियां सामने आती हैं। दरअसल,कई मुद्दों पर व्यापक विमर्श की कमी को लेकर भी सवाल उठते हैं। कुछ लोग समलैंगिक विवाहों की स्वीकार्यता के प्रश्न का जिक्र करते हैं। कुछ लोग कहते हैं कि यूसीसी के प्रावधानों में गोद लेने के कानूनों पर खामोशी क्यों है? सवाल यह है कि क्या ये प्रयास व्यापक सुधारों को अंजाम दे पाएंगे? या फिर ये महज पैचवर्क की कवायद मात्र है? सरकार की दलील है कि सांस्कृतिक रूप से संवेदनशीलता को ध्यान रखते हुए अनुसूचित जनजातियों को इसमें छूट दी गई है। सवाल उठाये जा रहे हैं कि क्या इससे समान नागरिक संहिता के आदर्श लक्ष्यों की पूर्ति होती है? इसको लेकर एकरूपता के सवाल उठाते हुए कहा जा रहा है कि क्या यूसीसी का सार इसे सभी पर समान रूप से लागू करना नहीं है? आलोचकों का कहना है कि इस मुद्दे पर पर्याप्त विधायी बहस नहीं हो पायी है। यह भी कि इस गंभीर मुद्दे पर सर्वसम्मति बनाने के लिये वास्तविक प्रयास नहीं हुए। बजाय इसके इसे जल्दीबाजी में अंजाम दिया गया। विपक्षी लोगों का कहना है कि इस गंभीर मुद्दे पर लोगों की सक्रिय भागीदारी होनी चाहिए थी और सभी लोगों की आवाजें पर्याप्त रूप से सुनी जानी चाहिए थीं।

जवाबदेही व स्थानीय संवेदनशीलता हो प्राथमिकता

हिमाचल पुलिस (संशोधन) विधेयक 2024, के.एस. तोमर

यूं तो हिमाचल प्रदेश पुलिस (संशोधन) विधेयक 2024 का उद्देश्य प्रशासनिक दक्षता बढ़ाना और पुलिस बल को आधुनिक बनाना है। लेकिन इसके प्रभावों को लेकर जवाबदेही, स्थानीय संवेदनशीलता और संसाधन आवंटन के मुद्दे पर गहन विमर्श जरूरी हैं।

हिमाचल प्रदेश विधानसभा ने हाल ही में हिमाचल प्रदेश पुलिस (संशोधन) विधेयक, 2024 पारित किया। यह विधेयक प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने, भर्ती प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और जनसेवकों को उत्पीड़न से बचाने का लक्ष्य रखता है। हालांकि, इसके उद्देश्य प्रगतिशील हैं, लेकिन इसके प्रभावों पर व्यापक बहस हो रही है, खासकर जवाबदेही, स्थानीय शासन और प्रशासनिक लचीलापन के संदर्भ में। विधेयक का एक महत्वपूर्ण प्रावधान है कि सरकारी अधिकारियों को उनके आधिकारिक कर्तव्यों के दौरान की गई कार्रवाइयों के लिए गिरफ्तार करने से पहले सरकार से स्वीकृति प्राप्त करनी होगी। समर्थकों का कहना है कि यह ईमानदार अधिकारियों को राजनीतिक या फिवोलस मुकदमों से बचाता है, जबकि आलोचकों का मानना है कि इससे जवाबदेही में देरी हो सकती है और प्रशासनिक ईमानदारी पर जनता का विश्वास कमजोर हो सकता है। पारदर्शिता के पक्षधर यह चाहते हैं कि इस प्रावधान में कड़े चेक और बैलेंस हों, ताकि यह भ्रष्टाचार को बढ़ावा न दे।

संशोधन में पुलिस कांस्टेबलों और हेड कांस्टेबलों का जिला कैडर से राज्य कैडर में पुनर्गठन किया गया है, जिसका उद्देश्य भर्ती को मानकीकरण करना और कर्मियों के आवंटन को अधिकतम करना है। राज्य-स्तरीय पुलिस भर्ती बोर्ड के तहत भर्ती प्रक्रिया को केंद्रीकरण करके सरकार ने भाई-भतीजावाद को समाप्त करने और जिलों के बीच संसाधन असंतुलन को दूर करने का लक्ष्य रखा है। हालांकि, इस विधेयक के स्थानीय पुलिसिंग पर प्रभाव को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है। आलोचकों का कहना है कि अधिकारियों का स्थानांतरण, जिनके पास स्थानीय सांस्कृतिक और सामाजिक जानकारी नहीं होती, कानून प्रवर्तन की क्षमता को कमजोर कर सकता है। इसके अलावा, स्थानीय भर्ती में काम करने वाले कर्मियों का उत्साह कम होगा, जो अपने घर के जिलों में सेवा करने पर गर्व महसूस करते हैं, जिससे पुलिस बल का मनोबल प्रभावित हो सकता है।

भाजपा सरकार पर भ्रष्ट अधिकारियों को बचाने का आरोप लगा रही है। उनका मानना है कि पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता से ब्यूरोक्रेट्स और राजनेताओं को कानूनी सुरक्षा मिलती है, जिससे जवाबदेही कमजोर होती है। इसके अलावा, भर्ती के केंद्रीकरण पर आलोचना करते हुए, क्योंकि यह अधिकारियों को उन समुदायों से दूर कर सकता है, जिनकी वे सेवा करते हैं, जिससे स्थानीय प्रशासन की ताकत घट सकती है। भाजपा की आलोचना स्थानीय आवश्यकताओं और सांस्कृतिक अंतरों को नजरअंदाज करने की चिंता को व्यक्त करती है।

हालांकि, विधेयक का उद्देश्य महत्वाकांक्षी है, लेकिन इसमें पुलिस बल की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए कोई प्रावधान नहीं है। राजनीतिक हस्तक्षेप को रोकने के बिना, कानून प्रवर्तन बाहरी दबावों से प्रभावित हो सकता है, जिससे इसकी दक्षता और स्वतंत्रता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसके अलावा, संसाधन की कमी एक महत्वपूर्ण समस्या हो सकती है, क्योंकि पहाड़ी क्षेत्रों में पुलिसिंग के लिए विशेष उपकरण, बुनियादी ढांचा और प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। आलोचकों का मत है कि विधेयक इन आवश्यकताओं के लिए पर्याप्त वित्तपोषण नहीं प्रदान करता, जिससे सुधारों की प्रभावशीलता पर संकट आ सकता है। पुलिस आवास और दूरस्थ क्षेत्रों में गतिशीलता के लिए कोई प्रावधान न होने से समस्याएं और बढ़ सकती हैं।

बाहरी निगरानी तंत्र की कमी से शिकायत निवारण और जनता का विश्वास घट सकता है। इसके अलावा, विधेयक में लिंग विविधता और समावेशन पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया, जिससे पुलिस बल में महिला और पिछड़े वर्गों का प्रतिनिधित्व बढ़ाने का अवसर खो सकता है। महिला हेल्पलाइनों और लिंग-विशिष्ट भर्ती अभियानों के जरिए इन सुधारों को पूरा किया जा सकता है।

महाराष्ट्र, केरल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और बिहार के अनुभव हिमाचल प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण सबक हैं। महाराष्ट्र ने तकनीकी-आधारित भर्ती से पारदर्शिता और निष्पक्षता बढ़ाई, जबकि केरल की सामुदायिक पुलिसिंग ने पुलिस और जनता के बीच विश्वास मजबूत किया। तमिलनाडु ने पुलिस जवाबदेही प्राधिकरण स्थापित कर स्वतंत्र निगरानी तंत्र की आवश्यकता को सामने रखा, और उत्तर प्रदेश ने डिजिटलीकरण के माध्यम से पुलिस बल का आधुनिकीकरण किया। बिहार के केंद्रीकृत भर्ती से स्थानीय मुद्दों पर असर पड़ा, जिससे हिमाचल को अपने भौगोलिक और सांस्कृतिक जटिलताओं को ध्यान में रखते हुए सुधारों को लागू करने की आवश्यकता है।

सुधारों की सफलता के लिए सरकार को गहन दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। तमिलनाडु की तरह एक स्वतंत्र निगरानी निकाय स्थापित करें, हिमाचल की विशिष्ट आवश्यकताओं के लिए पर्याप्त संसाधनों और बुनियादी ढांचे में निवेश करें, केरल के सामुदायिक पुलिसिंग मॉडल से प्रेरणा लेकर विश्वास और सहभागिता बढ़ाएं, डिजिटल उपकरणों का उपयोग करके पारदर्शिता और शिकायत निवारण को बढ़ावा दें, और महिलाओं और पिछड़े वर्गों का प्रतिनिधित्व बढ़ाएं।

वर्ष 2024 का हिमाचल पुलिस (संशोधन) विधेयक राज्य में कानून प्रवर्तन को आधुनिकीकरण करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जो दक्षता और जनसेवकों की सुरक्षा को बढ़ावा देता है। हालांकि, जवाबदेही, संसाधन आवंटन और स्थानीय संवेदनशीलता की चिंताएं बनी हुई हैं। अन्य राज्यों से सीखकर और इन मुद्दों को हल करके, हिमाचल प्रदेश प्रभावी और समान पुलिसिंग का मानक स्थापित कर सकता है।

लेखक राजनीतिक विश्लेषक हैं।

(चिंतन-मनन)

जो हो रहा है उसके जिम्मेदार हम स्वंय हैं

हम मनुष्यों की एक सामान्य सी आदत है कि दुःख की घड़ी में विचलित हो उठते हैं और परिस्थितियों का कसूरवार भगवान को मान लेते हैं। भगवान को कोसते रहते हैं कि हे भगवान हमने आपका क्या बिगाड़ा जो हमें यह दिन देखना पड़ रहा है। गीता में श्री कृष्ण ने कहा है कि जीव बार-बार अपने कर्मों के अनुसार अलग-अलग योनी और शरीर प्राप्त करता है। यह सिलसिला तब तक चलता है जब तक जीवात्मा परमात्मा से साक्षात्कार नहीं कर लेता। इसलिए जो कुछ भी संसार में होता है या व्यक्ति के साथ घटित होता है उसका जिम्मेदार जीव खुद होता है। संसार में कुछ भी अपने आप नहीं होता है। हमें जो कुछ भी प्राप्त होता है वह कर्मों का फल है। इश्वर तो कमल के फूल के समान है जो संसार में होते हुए भी संसार में लिप्त नहीं होता है। ईश्वर न तो किसी को दुःख देता है और न सुख। इस संदर्भ में एक कथा प्रस्तुत है? गौतमी नामक एक वृद्धा ब्राह्मणी थी। जिसका एक मात्र सहारा उसका पुत्र था। ब्राह्मणी अपने पुत्र से अत्यंत स्नेह करती थी। एक दिन एक सर्प ने ब्राह्मणी के पुत्र को डंस लिया। पुत्र की मृत्यु से ब्रह्मणी व्याकुल होकर विलाप करने लगी। पुत्र को डंसने वाले सांप के ऊपर उसे बहुत प्रोध आ रहा था। सर्प को सजा देने के लिए ब्राह्मणी ने एक सपेरे को बुलाया। सपेरे ने सांप को पकड़ कर ब्राह्मणी के सामने लाकर कहा कि इसी सांप ने तुम्हारे पुत्र को डंसा है, इसे मार दो। ब्राह्मणी ने संपरे से कहा कि इसे मारने से मेरा पुत्र जीवित नहीं होगा। सांप को तुम्ही ले जाओ और जो उचित समझो सो करो। संपेरा सांप को जंगल में ले आया। सांप को मारने के लिए संपेरे ने जैसे ही पत्थर उठाया, सांप ने कहा मुझे क्यों मारते हो, मैंने तो वही किया जो काल ने कहा था। संपेरे ने काल को ढूंढा और बोला तुमने सर्प को ब्राह्मणी के बच्चे को डंसने के लिए क्यों कहा। काल ने कहा ब्राह्मणी के पुत्र का कर्म फल यही था। मेरा कोई कसूर नहीं है। सपेरा कर्म के पहुंचा और पूछा तुमने ऐसा बुरा कर्म क्यों किया। कर्म ने कहा मुझ से क्यों पूछते हो, यह तो मरने वाले से पूछो मैं तो जड़ हूं। इसके बाद संपेरा ब्राह्मणी के पुत्र की आत्मा के पास पहुंचा। आत्मा ने कहा सभी ठीक कहते हैं। मैंने ही वह कर्म किया था जिसकी वजह से मुझे सर्प ने डंसा, इसके लिए कोई अन्य दोषी नहीं है। महाभारत के युद्ध में अर्जुन ने भीष्म को बाणों से छलनी कर दिया और भीष्म पितामह को बाणों की शैय्या पर सोना पड़ा। इसके पीछे भी भीष्म पितामह के कर्म का फल ही था। बाणों की शैय्या पर लेटे हुए भीष्म ने जब श्री कृष्ण से पूछा, किस अपराध के कारण मुझे इसे तरह बाणों की शैय्या पर सोना पड़ रहा है। इसके उत्तर में श्री कृष्ण ने कहा था कि, आपने कई जन्म पहले एक सर्प को नागफनी के कांटों पर फेंक दिया था। इसी अपराध के कारण आपको बाणों की शैय्या मिली है। इसलिए कभी भी जाने-अनजाने किसी भी जीव को नहीं सताना चाहिए। हम जैसा कर्म करते हैं उसका फल हमें कभी न कभी जरूर मिलता है।

विचार मंथन

10 लाख तक की आय, कर से मुक्त?

(लेखक- सनत जैन)

- बढ़ते कर्ज से सरकार की परेशानी बढ़ी

केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण 1 फरवरी को संसद में बजट पेश करेंगी। बजट को लेकर आम लोगों में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। कारपोरेट जगत में घबराहट फैली हुई है। माना जा रहा है, इस बार सरकार आयकर में राहत देकर मध्यमवर्गीय परिवारों को मलहम लगाने का काम करेगी। सरकार 10 लाख रुपए तक की आय को टैक्स फ्री करने पर विचार कर रही है। छूट के नये स्लेव बनाए जाने को लेकर विचार विमर्श चल रहा है। जिन लोगों की आय 10 लाख तक की होगी, उन्हें टैक्स से छूट मिलेगी। 10 से 20 लाख रुपए तक की आय वालों के लिए टैक्स की दर कम करने पर विचार चल रहा है। वर्तमान में 7.75 लाख रुपए की आय वालों को टैक्स से छूट है। अब इसे बढ़ाकर 10 लाख रुपए करने का प्रावधान इस बजट में आ सकता है। केंद्र सरकार इस बार रेलवे का बजट 3 लाख करोड़ तक ले जा सकती है। इस समय रेलवे पर बड़ा दबाव है। गरीब एवं मध्यम वर्ग के लिए नई नान एसी ट्रेन चलाने तथा रेलवे में कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने को लेकर इस बार बजट में वृद्धि होगी। पिछले बजट में रेलवे को 2.65 लाख करोड़ का प्रावधान बजट में किया गया था। इस बार इसे बढ़ाकर 3 लाख करोड़ से ऊपर ले जाने की कोशिश हो रही है। वित्त मंत्रालय ने रेलवे को 2.52 लाख करोड़ का आवंटन होने के बाद भी रेलवे द्वारा मात्र 76 फ़ीसदी राशि खर्च की गई है। इसको लेकर रेलवे मंत्रालय और वित्त मंत्रालय के अधिकारियों में लगातार बैठकें हो रही हैं। वर्ष 2024-25 में सरकार ने बजट में जो प्रावधान किए थे, उससे कम राशि वित्त मंत्रालय ने विभागों को आवंटित की है। वह राशि भी विभाग खर्च नहीं कर पाए हैं। इसको लेकर तरह-तरह की चर्चाएं बजट को लेकर हो रहे हैं। मोदी सरकार के 10 सालों में देसी और विदेशी कर्ज 7 लाख मिलियन से अधिक पर पहुंच गया है। मनमोहन सिंह सरकार की समय से यह चार गुना ज्यादा है। भारत के ऊपर इतने बड़े पैमाने पर कभी कर्ज नहीं रहा। केंद्र सरकार के बजट की लगभग 30 फ़ीसदी राशि ब्याज और किस्तों के रूप में खर्च हो रही है। आर्थिक मंदी और शेयर बाजार की लगातार गिरावट के कारण जीएसटी और अन्य माध्यम से सरकार की आय में गिरावट आने की संभावना जताई जा रही है। ऐसी स्थिति में वर्ष 2025-26 का केंद्रीय बजट वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और मोदी सरकार के लिए बड़ी चुनौती है। दिल्ली विधानसभा चुनाव का मतदान 5 फरवरी को है। इसके बाद बिहार का चुनाव इस साल के आखिरी में है। इसके बाद 2 साल तक कोई बड़े चुनाव नहीं हैं। इस स्थिति को देखते हुए यह भी कहा जा रहा है कि सरकार की आर्थिक स्थिति जिस हालत में है उसको देखते हुए बजट से ज्यादा आशा करना व्यर्थ है। सरकार को अपने वित्तीय संतुलन को बनाए रखने के लिए जीएसटी एवं अन्य टैक्स को बढ़ाने का दबाव है। जिस तरह से आर्थिक विकास दर घट रही है, घरेलू उपभोक्ता मांग लगातार कम होती जा रही है। ऐसी स्थिति में सरकार दो पाटों के बीच में फंस गई है। घरेलू मांग बढ़ाने के लिए सरकार को बाजार में ज्यादा से ज्यादा पैसा उपलब्ध कराना होगा। आय की तुलना में खर्च बढ़ने से सरकारी खजाने पर दबाव देखने को मिल रहा है। खर्च की तुलना में राजस्व में कमी होने के कारण सरकार को लगातार कर्ज उठाना पड़ रहा है। केंद्र सरकार का कर्ज भी उच्चतम सीमा पर पहुंच गया है। विश्व बैंक से लगातार चेतावनी आ रही है। रिजर्व बैंक की स्थिति भी बहुत अच्छी नहीं है। बैंकों में नगदी की कमी बनी हुई है। बैंकों का डिपाजिट घट गया है। कर्ज की मांग बढ़ गई है, लेकिन बैंक इसे पूरा नहीं कर पा रही है। निम्न एवं मध्यम वर्ग को दिए कर्ज का एनपीए लगातार बढ़ रहा है। केंद्र सरकार का आयात-निर्यात घाटा लगातार बढ़ रहा है। इसका असर विदेशी मुद्रा पर पड़ रहा है। डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत घटती जा रही है। आयात के मुकाबले निर्यात बहुत कम हो रहा है, जिसके कारण केंद्र सरकार के लिए बजट का संतुलन बनाए रखना काफी चुनौती-पूर्ण है। वित्त मंत्रालय के पुराने अधिकारियों को हटाकर कारपोरेट जगत के कुछ नए अधिकारियों को वित्त मंत्रालय में बजट के लिए लाया गया है, जिसके कारण बजट को लेकर असमंजस बढ़ गया है। बाजार में जिस तरह से मांग घटती जा रही है, उसका असर सरकार के खजाने पर पड़ रहा है।

ऐसी स्थिति में अब देखना यह है, कि सरकार किस तरह से बजट तैयार कर रही है। सरकार की प्राथमिकताएं क्या होंगी? बजट में सरकार बेरोजगारी और महंगाई से कैसे आम लोगों को निजात दिलाएगी? इसको लेकर अटकलों का बाजार गर्म है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेजान ने सात गोदाम बंद करने का किया ऐलान, 1700 नौकरियां खतरे में

मुंबई । ऑनलाइन रिटेलर अमेजन ने कहा कि वह आने वाले दो महीने में कनाडा के क्यूबेक में अपने सभी सात गोदामों को बंद कर देगा। अमेजन का कहना है कि इस फैसले के बाद लंबे समय तक उनके कस्टमर्स की बचत होगी। हालांकि, कनाडाई संघ ने अमेजन पर आरोप लगाया है कि उसने क्षेत्र में अपनी कोशिशों को रोकने के कारण गोदामों को बंद करने का निर्णय लिया है। संघ ने यह भी कहा कि उन्होंने एक गोदाम को सफलतापूर्वक संघबद्ध किया है। अमेजन के अनुसार, इस फैसले से ग्रेटर मॉन्ट्रियल क्षेत्र में लगभग 1,700 लोगों की नौकरियां प्रभावित होंगी, जिनमें से 250 कर्मचारी अस्थायी तौर पर काम कर रहे हैं। अमेजन की तरफ से जानकारी दी गई कि पैकेज को बांटने के लिए स्थानीय और तीसरे पक्ष की कंपनियों को नियुक्त करेगा। अमेजन की ओर से 2020 से पहले क्यूबेक में जिस बिजनेस मॉडल को फॉलो किया गया था, वो उसे फिर से इस्तेमाल करेगा। अमेजन एक प्रवक्ता के मुताबिक ये फैसला यूं ही नहीं लिया गया। उन्होंने बताया कि इस फैसले के बाद प्रभावित कर्मचारियों को एक पैकेज दिया जाएगा। इस पैकेज में सुविधाओं के बंद होने के बाद 14 हफ्ते तक का वेतन दिया जाएगा। साथ ही नौकरी प्लेसमेंट संसाधनों जैसे लाभ को भी इसमें शामिल किया गया है।

स्टैलियन इंडिया फ्लोरोकेमिकल्स का शेयर 33 प्रतिशत बढ़कर सूचीबद्ध

नई दिल्ली । स्टैलियन इंडिया फ्लोरोकेमिकल्स का शेयर अपने निर्गम मूल्य 90 रुपये से 33 प्रतिशत उछाल के साथ गुरुवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई तथा एनएसई पर शेयर की शुरुआत 120 रुपये पर हुई, जो निर्गम मूल्य से 33.33 प्रतिशत की बढ़त दिखाता है। कंपनी का बाजार मूल्यांकन बीएसई पर 999.42 करोड़ रुपये और एनएसई पर 999.50 करोड़ रुपये रहा। कंपनी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बोली के ओ खिरी दिन पिछले सोमवार को 188.38 गुना अभिदान मिला था। रेफिजरेंट्स आपूर्तिकर्ता स्टैलियन इंडिया फ्लोरोकेमिकल्स का 199.45 करोड़ रुपये का आईपीओ 1.78 करोड़ नए शेयर और 43.02 लाख शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन था। इसके लिए 85-90 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया गया था।

वॉलमार्ट ने भारत की स्टार्टअप कंपनियों के साथ किया समझौता

वाशिंगटन । खुदरा क्षेत्र की अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनी वॉलमार्ट ने भारतीय बाजार में अपनी उपस्थिति मजबूत करने के लिए शुरुआती स्तर के रणनीतिक कार्यक्रमों की घोषणा की है। यह कंपनी ने पुणे स्थित केबीकोल्स साइंसेज, चेन्नई स्थित ग्रीनपॉड लैब्स और बेंगलुरु स्थित क्रॉपिन के साथ सहयोग करने का निश्चय किया है। वॉलमार्ट के उपाध्यक्ष ने इस उद्देश्य को बताते हुए कहा कि प्रौद्योगिकी नवाचार ही है जो वैश्विक स्तर पर मजबूत आपूर्ति श्रृंखला को आगे बढ़ाने के लिए वास्तविक दुनिया के समाधानों को प्रेरित करती है। यह साझेदारी समर्थन करने वाली यह स्टार्टअप कंपनियाँ वॉलमार्ट की आपूर्ति श्रृंखलाओं में नवाचार लाने में मदद करेंगी और वॉलमार्ट को उनके समाधानों की प्रेरणा मिलेगी। यह साझेदारी भारतीय बाजार में नए उद्यमियों के लिए एक बड़ी संधि की ओर कदम बढ़ाती है।

सरकार को बजट में संरचनात्मक सुधारों के लिए राजनीतिक पकड़ का उपयोग करना चाहिए: सुब्बाराव

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर डी. सुब्बाराव ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की 3.0 सरकार को वृद्धि तथा रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए आगामी बजट में राजनीतिक रूप से कठिन संरचनात्मक सुधारों को लागू करने के लिए अपनी विशाल राजनीतिक पकड़ का इस्तेमाल करना चाहिए। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को वित्त वर्ष 2025-26 का केंद्रीय बजट संसद में पेश करेंगी। यह बजट वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं तथा धीमी पड़ती घरेलू वृद्धि के बीच आ रहा है। सुब्बाराव ने एक साक्षात्कार में कहा कि यह राजग 3.0 सरकार का पहला पूर्ण बजट है और इसे राजनीतिक रूप से कठिन संरचनात्मक सुधारों को लागू करने के लिए अपनी विशाल राजनीतिक पकड़ का इस्तेमाल करना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने कहा कि बजट का प्राथमिक उद्देश्य अर्थव्यवस्था को टिकाऊ बनाना तथा उच्च वृद्धि पथ पर लाना है। सुब्बाराव ने कहा, लेकिन केवल वृद्धि से काम नहीं चलेगा। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि वृद्धि का लाभ व्यापक रूप से सभी तक पहुंचे यानी हमें असमानता कम करने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। उन्होंने कहा कि भारत के निचले तबके की आधी आबादी का विशाल उपभोग आधार देश की वृद्धि का सबसे बड़ा चालक है। सुब्बाराव ने कहा कि निचले आधे हिस्से में उपभोग बढ़ाने का एकमात्र स्थायी तरीका

रोजगार सृजन है। यदि वे अधिक कमाएंगे, तो वे अधिक खर्च करेंगे, जिससे अधिक उत्पादन, अधिक रोजगार तथा उच्च वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा।

मारुति ब्रेजा को प्रमोट करते दिखाई देंगे कार्तिक आर्यन

मुंबई । मारुति सुजुकी इंडिया ने बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन को अपनी प्रमुख कॉम्पैक्ट एसयूवी, मारुति ब्रेजा का नया ब्रांड एंबेसडर बनाया है। यह घोषणा भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 के दौरान की गई। कार्तिक को ब्रेजा के साथ जोड़कर कंपनी ने युवाओं को आकर्षित करने और गाड़ी की डाइनैमिक इमेज को और मजबूत करने की रणनीति पर काम किया है। मारुति ब्रेजा को 2016 में लांच किया गया था, और यह तब से कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में एक प्रमुख खिलाड़ी बनी हुई है। अब तक इसकी 12 लाख से ज्यादा यूनिट्स बिक चुकी हैं। 2024 में 1,88,160 यूनिट्स की बिक्री के साथ ब्रेजा ने बाजार में सबसे ज्यादा बिकने वाली कॉम्पैक्ट एसयूवी का दर्जा हासिल किया। इसका मुकाबला टाटा नेक्सन, हुंडई वेन्यू और किआ सोनेट जैसी गाड़ियों से है। ब्रेजा 1.5 लीटर पेट्रोल इंजन के साथ आती है, जो कि 101.64 बीएचपी पावर और 136.8 एनएम टॉर्क जनरेट करता है। ब्रेजा में 5-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स विकल्प मौजूद हैं। इसके साथ मारुति की स्मार्ट-हाइब्रिड तकनीक भी है, जो माइलेज और पर्यावरण के प्रति जागरूक प्रदर्शन को बेहतर बनाती है।

इलेक्ट्रिक स्कूटर एथर 450 एक्स का नया संस्करण पेश, दो बैटरी विकल्पों में उतारा

मुंबई ।

भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में एथर एनर्जी ने अपने नए इलेक्ट्रिक स्कूटर एथर 450 एक्स का नया संस्करण पेश किया। स्कूटर में कई तकनीकी सुधार और फीचर अपग्रेड किए हैं, जो इस स्कूटर को पहले से ज्यादा आकर्षक और उपयोगी बनाते हैं। एक्सपो में पेश मॉडल इलेक्ट्रिक स्कूटर बाजार में एथर की मजबूत स्थिति को और सुदृढ़ करने के लिए तैयार है। एथर 450 एक्स को दो बैटरी विकल्पों में उतारा गया है। 2.9 किलोवॉट प्रतिघंटा बैटरी वाला वेरिएंट 126 किलोमीटर की रेंज देता है, जबकि 3.7 किलोवॉट प्रतिघंटा बैटरी वाला वेरिएंट 161 किलोमीटर तक की रेंज देता है। इनकी कीमत क्रमशः 1.75 लाख और 1.85 लाख रखी गई है। स्कूटर में नया टच स्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम जोड़ा गया है, जिससे यूजर्स को बेहतर इंटरफेस का अनुभव मिलेगा। इसके अलावा, इसमें इंटरनेट कनेक्टिविटी के लिए सिम पोर्ट और एक विशेष इमरजेंसी बटन दिया है। यह बटन तीन बार दबाने पर राइडर की लाइव लोकेशन पंजीकृत मोबाइल नंबर पर भेजता है, जो सुरक्षा के लिहाज से एक बड़ी सुविधा है। प्रो पैक वेरिएंट में ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, गूगल मैप्स इंटीग्रेशन, ऑटो-होल्ड और फाइंड माई स्कूटर जैसे उन्नत फीचर्स शामिल हैं। इसके अलावा, स्कूटर चार नए रंग विकल्पों–लूनर ग्रे, टू रेड, हाइपर सैंड, और अन्य शेड्स में उपलब्ध होगा। डिजाइन में बड़े बदलाव नहीं किए गए हैं, लेकिन सस्पेंशन ट्यूनिंग और एडवांस्ड राइडिंग मोड्स को बेहतर बनाया गया है। एथर 450 एक्स का यह नया संस्करण लंबी रेंज, प्रीमियम फीचर्स और सुरक्षा के साथ इलेक्ट्रिक स्कूटर बाजार में एक नई दिशा तय करने के लिए तैयार है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही ऑटो, आईटी, सीमेंट और कुछ हेल्थकेयर स्टॉक्स में तेजी से आया है। इससे पहले गत दिवस भी बाजार बढ़त पर बंद हुआ था। आज कारोबार के दौरान घरेलू कंपनियों के दिसंबर तिमाही के परिणाम कमजोर रहने की आशंका व डोनल्ड ट्रंप के टैरिफ शुल्क बढ़ाने की योजना से बाजार की तेजी पर कुछ हद तक अंकुश भी लग गया।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज करोबार के अंत में 115.39 अंक करीब 0.15 फीसदी बढ़कर 76,520 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 50 अंक तकरीबन 0.22 फीसदी की बढ़त के साथ ही 23,205 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में अल्ट्रा सीमेंट्स 7 फीसदी उछलकर बंद हुआ। जोमैटो, महिंद्रा एंड महिंद्रा, सनफार्मा, टेक महिंद्रा, टाटा मोटर्स, टाइटन, टाटा स्टील, आईटीसी, बजाज फाइनेंस और एशियन पेंट्स के शेयरों में भी बढ़त रही।

वहीं पावर ग्रिड , कोटक बैंक, एचसीएल टेक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एसबीआई, हिंदुस्तान यूनिलीवर, नेस्ले इंडिया, एक्सिस बैंक, एलएन्डटी और टीसीएस के शेयरों में गिरावट रही। आईटी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और कमोडिटी शेयरों में जोरदार खरीदारी के कारण घरेलू बाजार में उत्साह का माहौल रहा।

दूसरी ओर एशियाई बाजारों की बात करें तो टोक्यो और शंघाई के बाजारों में बढ़त रही जबकि हांगकांग और सियोल के बाजार नीचे आये।

यूरोपीय बाजारों में भी बढ़त रही। अमेरिकी शेयर बाजार गत दिवस तेजी के साथ बंदु हुए थे।

इससे पहले आज सुबह बाजार

गिरावट में खुले हालांकि बाद में निशान में लौट गए। वापसी करते हुए शेयर बाजार हरे

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय आठ पैसे की गिरावट के साथ ही 86.43 रुपये पर बंद हुआ। वहीं सुबह रुपया गुरुवार के कारोबारी दिन शुरुआती कारोबार में पांच पैसे की गिरावट के साथ ही अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.40 पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया पिछले बंद भाव के मुकाबले 11 पैसे की गिरावट के साथ 86.46 प्रति डॉलर पर खुला और फिर 86.52 प्रति डॉलर पर आ गया। हालांकि, शेयर बाजार में तेजी आने से इसमें कुछ सुधार हुआ और यह बुधवार के बंद स्तर से पांच पैसे की गिरावट के साथ 86.40 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। इससे पहले रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.35 पर बंद हुआ था।

भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपोः 1,500 से अधिक कंपनियों ने लिया भाग, 200 से अधिक नए और मौजूदा उत्पादों का देखा

एक्सपो में इलेक्ट्रिक वाहन प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहे

मुंबई ।

भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 का भव्य समापन हुआ। भारत मंडपम, यशोभूमि, और ग्रेटर नोएडा के एक्सपो मार्ट में आयोजित प्रदर्शनी में 1,500 से अधिक कंपनियों ने भाग लिया। करीब 8 लाख दर्शकों ने वाहन, कलपुर्जा और प्रौद्योगिकी खंडों में प्रस्तुत किए गए 200 से अधिक नए और मौजूदा उत्पादों का देखा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 जनवरी को केंद्रीय मंत्रियों और वाहन उद्योग के दिग्गजों की मौजूदगी में एक्सपो का उद्घाटन किया। इस बार इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहे। मारुति सुजुकी इंडिया ने अपना पहला इलेक्ट्रिक वाहन ई-विटारा लांच किया, जो भारत में निर्मित होकर 100 से अधिक देशों में निर्यात होगा। हुंदै मोटर इंडिया ने क्रेटा इलेक्ट्रिक पेश की, जबकि विनफास्ट (वियतनाम) और बीवाईडी (चीन) ने भी अपने ऑटोमोबाइल उत्पाद प्रदर्शित किए।

आयोजन ने परिवहन क्षेत्र की पूरी मूल्य श्रृंखला–वाहन निर्माता, कलपुर्जा निर्माता, इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण, बैटरी निर्माता और सॉफ्टवेयर फर्मों को एक छत के

नीचे लाने का काम किया। इसका मुख्य उद्देश्य टिकाऊ परिवहन और प्रौद्योगिकी नवाचार को बढ़ावा देना था।

वाहन निर्माताओं के संगठन सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने बताया यह आयोजन टिकाऊ परिवहन पर उद्योग के फोकस को दिखाता है। वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि सभी पक्षों के सुझावों पर विचार किया जाएगा।

ड्राई फ्रूट्स व्यापारियों की मांग, जीएसटी घटाकर 5 फीसदी किया जाए

नई दिल्ली । देश के ड्राई फ्रूट्स व्यापारियों की इकाई नट्स एंड ड्राई फ्रूट्स काउंसिल ऑफ इंडिया (एनडीएफसी) ने सरकार से कई महत्वपूर्ण अनुरोध किए। एनडीएफसी ने अखरोट के आयात शुल्क को प्रति किलोग्राम के आधार पर युक्तिसंगत बनाने, जीएसटी को घटाकर पांच प्रतिशत करने और इस क्षेत्र के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना शुरू करने की मांग की है। काउंसिल के अनुसार भारत का मेवे का बाजार 18 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर से बढ़ रहा है और यह 2029 तक 12 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।

ट्रेन में करोड़ों का माल भूले लोग, अब ढूंढकर सामान पहुंचा रहा आरपीएफ

- पिछले वर्ष आरपीएफ ने 6.6 करोड़ का सामान वापस किया

नई दिल्ली।

ट्रेन में सफर के दौरान कई यात्री अपना सामान भूल जाते हैं। इसमें कई बार ऐसा सामान भी होता है तो जो कीमती होता है। यात्रियों को लगता है कि चलती ट्रेन में या स्टेशन में छूटा सामान वापस मिलने वाला नहीं है। इसलिए लोग कहीं पर संपर्क भी नहीं करते हैं लेकिन क्या आपको पता है कि ट्रेन या स्टेशन में खोया सामान भी वापस मिल सकता है। स्वयं आरपीएफ यात्रियों का खोया उन्हें ढूंढ़ ढूंढ़कर सामान लौटा रहा है। पिछले वर्ष आरपीएफ ने 6.6 करोड़ का सामान वापस किया है। कई बार यात्री ट्रेन चढ़ने या उतरने में हड़बड़ी करते हैं या फिर कई बार स्टेशन छोड़ने समय जल्दबाजी में कुछ सामान वहीं छूट जाता है। ट्रेन पर बैठने या उतरने के बाद जब वो लगेज चेक करते हैं तो पता चलता है कि फलां सामान छूट या है। इस तरह का सामान बरामद करने के लिए आरपीएफ ऑपरेशन 'अमानत' चलाता है। आरपीएफ खोए हुए सामान को वापस मालिक तक पहुंचाने के लिए ऑपरेशन अमानत चलाता है। इसके माध्यम से आरपीएफ ट्रेन या स्टेशन में यात्रियों के खोए हुए सामानों का पता लगाता है और सुनिश्चित करता है कि वे उनके असली मालिकों को वापस कर दिए जाएं। 2024 में, 6.67 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का सामान लगभग 2200 असली मालिकों को लौटा दिए गए। इस तरह अगर आपका भी सामान ट्रेन या स्टेशन में छूट जाए तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। रेलवे के अनुसार अगर आपका कोई सामान ट्रेन या स्टेशन में छूट जाता है तो आपको आरपीएफ से संपर्क कर अपने सामान की जानकारी देनी चाहिए। आरपीएफ को ऑपरेशन अमानत के तहत अगर यह सामान कहीं से बरामद होता है तो वापस मिल सकता है। इसके लिए अब आपको जरूरी औपचारिकता करनी होगी।

ईवी में भरोसा बढ़ाने मारुति किराये पर देगी पेट्रोल कार

टॉप 100 शहरों में हर 5 से 10 किलोमीटर पर फास्ट चार्जिंग स्टेशनों की भी योजना

मुंबई ।

मारुति सुजूकी ने अपनी इलेक्ट्रिक कार ई-विटारा को बाजार में उतारने से पहले चार्जिंग व्यवस्था और सर्विस नेटवर्क का व्यापक विस्तार करने का ऐलान किया है। यह कार 500 किलोमीटर तक चलने का क्षमता होगी और 2,700 मिलीमीटर लंबे व्हीलबेस के साथ आएगी। इसके साथ ही कंपनी पुराने जमाने की सोच को तोड़कर ग्राहकों को सु विधा प्रदान करने के लिए कई नई योजनाएं लेकर आ रही है। इसमें एक हाइब्रिड कार किराए पर देने का प्रस्ताव भी शामिल है, जो ईवी ग्राहकों को लंबी या बहुत दूरी तक की यात्रा के लिए विकल्प प्रदान करेगी। कंपनी के एक वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि ईवी सिलसिले में ग्राहकों को जितनी सुविधाएं मिल सकती हैं, उतनी ही सरल और आसानी से मिलनी चाहिए। उन्होंने उज्जवल भविष्य की कल्पना करते हुए कहा कि हम ईवी को खरीदने वाले ग्राहकों को पहली कार के रूप में महसूस कराना चाहते हैं। इस निर्धारित राह को आगे बढ़ाते हुए मारुति सुजूकी ने विभिन्न शहरों में 1,000 सर्विस वर्कशॉप को ईवी कारों के लिए तैयार करने का भी ऐलान किया है। कंपनी ने टॉप 100 शहरों में हर 5 से 10 किलोमीटर पर फास्ट चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना करने की भी योजना बनाई है। इन सब उपायों से मारुति सुजूकी का उद्देश्य है ग्राहकों को सुरक्षित और सुखद ईवी यात्रा का अनुभव करवाना, ताकि उन्हें पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी होने की भावना में एक उत्कृष्ट माध्यम मिले।

कंपनी ने जो दिशा में कदम बढ़ाया है, यह स्पष्ट दर्शाता है कि भावनात्मक सहयोग और आधुनिक तकनीक का सही संयोजन हमें समृद्धि की ओर ले जा सकता है।

नोएडा प्लांट में भी बनेंगे गैलेक्सी एस25 सी रिज के स्मार्टफोनः सैमसंग

- सैमसंग की भारतीय बाजार में अपनी पकड़ जमाने की योजना

नई दिल्ली ।

साउथ कोरिया की इलेक्ट्रॉनिक्स दिग्गज कंपनी सैमसंग ने अपने नवीनतम फ्लैगशिप स्मार्टफोन गैलेक्सी एस 25 सीरीज लॉन्च की है। अमेरिका के सैन जोस में आयोजित इवेंट में इस सीरीज की घोषणा की गई और इसमें गैलेक्स एस25 अल्ट्रा, एस25+ और एस25 मॉडल शामिल हैं। यह स्मार्टफोन भारत के नोएडा स्थित सैमसंग प्लांट में भी बनाया जाएगा। गैलेक्सी एस25 सीरीज की कीमत 800 डॉलर (करीब 66,000 रुपये) से शुरू होकर अल्ट्रा-प्रीमियम सेगमेंट में प्रस्तुत हो रही है। इस लॉन्च से सैमसंग ने भारतीय बाजार में अपनी पकड़ जमाने का मिशन तय किया है। सीरीज को विकसित करने में सैमसंग के बेंगलुरु स्थित रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर ने सहयोग किया है। इस सेंटर ने एआई क्षमताओं को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और इसे साउथ कोरिया के बाहर कंपनी का सबसे बड़ा आरएंडडी सेंटर बना दिया है। सैमसंग की उम्मीद है कि इस नई सीरीज स्मार्टफोन बाजार में एक नया दौर खोलेगा और स्मार्टफोन कंपनियों के बीच मुकाबला औरत बढ़ाएगा। यह सीरीज फिचर्स में कस्टमाइज्ड स्नैपड्रैगन 8 एलीट मोबाइल प्लेटफॉर्म फॉर गैलेक्सी को समेत लेकर आता है, जो एआइ फीचर्स के लिए बेहतर प्रोसेसिंग परफार्मेंस प्रदान करता है। इस सुपर-प्रीमियम स्मार्टफोन सीरीज की ग्लॉबल लॉन्चिंग ने उम्मीदों को उच्च कीमत, तकनीकी नवाचार और शानदार डिज़ाइन की उम्मीद दी है। सैमसंग की गैलेक्सी एस25 सीरीज एक नया मील का पत्थर बन सकती है।

रोजगार के मोर्चे पर खुशखबरीः ईपीएफओ में बढ़ोतरी

- ईपीएफओ से नवंबर में जुड़े 14.63 लाख मेंबर्स

नई दिल्ली ।

रोजगार के मोर्चे पर एक शानदार खुशखबरी आई है, जो आम लोगों के जीवन में नया उत्साह भर रही है। भारत के प्रमुख रिटायरमेंट फंड बॉडी, ईपीएफओ ने पिछले साल नवंबर में 14.63 लाख नए मेंबर्स को अपने नेटवर्क में शामिल किया है, जो एक साल में 4.88 फीसदी की वृद्धि है। श्रम मंत्रालय ने इस वृद्धि को स्वीकारते हुए बताया कि ईपीएफओ की प्रभावी पहुंच और सक्षम प्रयासों के बदलाव से यह मुमकिन हुआ है। मंत्रालय ने आंकड़ों पर ध्यान दिया कि 18-25 आयु वर्ग का अहम योगदान है। इस आयु वर्ग में भी 4.81 लाख नए मेंबर्स जुड़े हैं, जिससे समय के साथ छात्रों की भी दरमियानी से सरकारी नौकरियों की ओर दिशा बढ़ रही है। डेटा के अनुसार नवंबर 2024 में जुड़े नए मेंबर्स में से लगभग 2.40 लाख महिलाएं हैं, जो महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए एक

महत्वपूर्ण साबित होता है। राज्यवार विश्लेषण से पता चलता है कि महाराष्ट्र जैसे राज्यों में इस वृद्धि का सबसे बड़ा योगदान है। इस सुधार से स्पष्ट है कि रोजगार के क्षेत्र में नए उत्थान की दिशा में वीरों एक नया पल आया है। ईपीएफओ की इस बढ़ती आपूर्ति के साथ, देश के अर्थव्यवस्था में भी नया जीवन फूंका जा रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अंडर-19 विश्व कप: भारत ने श्रीलंका को हराया, सुपर सिक्स में जगह पक्की

कोलकाता (एजेंसी)। कुआलालंपुर - सलामी बल्लेबाज जी तृषा की 49 रन की पारी और तेज गेंदबाजों की नई गेंद से शानदार गेंदबाजी से भारत ने यहां श्रीलंका पर 60 रन की एकतरफा जीत के साथ ग्रुप ए में शीर्ष पर रहते हुए आईसीसी अंडर-19 टी20 महिला विश्व कप के सुपर सिक्स में प्रवेश किया।

बल्लेबाजी के लिए मुश्किल परिस्थितियों में त्रिशा ने 44 गेंदों की पारी में पांच चौके और एक छक्का लगाया जिससे भारत को नौ विकेट पर 118 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। मिथिला विनोद (10 गेंद में 16 रन) और वीजे जोशीथा (नौ गेंद में 14 रन) ने आखिरी ओवरों में तेजी से रन बनाए। इसके बाद तेज गेंदबाज जोशीथा (17 रन पर दो विकेट) और शबनम शकील (नौ रन पर दो विकेट) ने शुरुआती चार ओवर में दो-दो विकेट झटक कर श्रीलंका का स्कोर चार विकेट परनौ रन कर दिया।

अगले ओवर में कप्तान मनुडी नानायककारा के रन आउट होने से उसकी 12 रन तक आधी टीम पवेलियन पहुंच गई।श्रीलंका की टीम 20 ओवर में नौ विकेट पर 58 रन ही बना सकी। भारत ने ग्रुप चरण के अपने अभियान को तीन मैचों में तीन जीत के साथ खत्म किया। श्रीलंका के लिए रश्मिका सेवांडी (12 गेंद में 15 रन) ही दोहरे अंक में रन बना सकी।

वह अच्छी लय में दिख रही थी लेकिन जरूरी रन रेट को कम करने के लिए पारुणिका सिसोदिया (सात रन पर दो विकेट) की गेंद पर बड़ा शॉट लगाने की कोशिश में मिथिला विनोद को कैच देकर आउट हो गई। आयुषी शुक्ला (13 रन पर एक विकेट) और मलेशिया के खिलाफ पांच रन पर पांच विकेट लेने वाली वैष्णवी शर्मा (चार ओवर में तीन रन पर एक विकेट) ने भी श्रीलंका के बल्लेबाजों को रन बनाने का मौका नहीं दिया।

लक्ष्य सेन का अंतरराष्ट्रीय सर्किट में संघर्ष जारी, इंडोनेशिया मास्टर्स से बाहर हुए

जकार्ता (एजेंसी)। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन का अंतरराष्ट्रीय सर्किट में संघर्ष जारी है और वह बृहस्पतिवार को यहां इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जापान के केंटा निशिमोटो से हारकर बाहर हो गए।

भारत के 10वीं रैंकिंग के खिलाड़ी लक्ष्य को निशिमोटो से 16-21 21-12 21-23 से पराजय मिली। इससे पहले ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की मिश्रित युगल जोड़ी को भी दूसरे दौर में हार का मुंह देखना पड़ा। इस भारतीय जोड़ी को बढ़त बनाने के बावजूद मलेशिया के पांग रोन हू और सु यिन चेंग की जोड़ी से 21-18 15-21 19-21 से हार का सामना करना पड़ा।

एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता और राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता सेन ने मैच में खराब शुरूआत की और पहला गेम गंवा बैठे। उन्होंने दूसरा गेम जीत कर अच्छी वापसी की लेकिन तीसरे और निर्णायक गेम में कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

भारत ने 7 विकेट से जीता पहला टी-20, अभिषेक शर्मा के धुआंधार 79 रन

कोलकाता (एजेंसी)। भारत ने इंग्लैंड को पहले टी-20 में 7 विकेट से हरा दिया। कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में भारत ने बॉलिंग चुनी। इंग्लिश टीम 132 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। भारत ने तेजी से बैटिंग की और 12.5 ओवर ही 3 विकेट के नुकसान पर टारगेट हासिल कर लिया। भारत से ओपनर अभिषेक शर्मा ने 34 गेंद पर 79 रन बनाए। उन्होंने पारी में 8 छक्के और 5 चौके लगाए। उन्हें आदिल रशीद ने लॉन्ग ऑफ पर हैरी ब्रूक के हाथों कैच कराया। अभिषेक शर्मा ने जैमी ओवर्टन के खिलाफ 9वें ओवर की पहली बॉल पर छक्का लगाया। इसी के साथ उन्होंने 20 गेंद पर अपनी फिफ्टी भी पूरी कर ली। अभिषेक ने अपने टी-20 करियर की दूसरी फिफ्टी लगाई। वे एक सेंचुरी भी लगा चुके हैं। बॉलिंग में वरुण चक्रवर्ती ने 3 विकेट लिए। इंग्लैंड से जोस बटलर ने 68 रन बनाए, जोफ्रा आर्चर को 2 विकेट मिले। भारत ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली, दूसरा मैच 25 जनवरी को चेन्नई में खेला जाएगा।

रणजी ट्रॉफी में विफल रहे रोहित, यशस्वी और शुभमन

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा, युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल रणजी ट्रॉफी के अपने पहले ही मैच में विफल रहे हैं। इनका प्रदर्शन कितना खराब था, इसका अंदाज इसी से लगाया जा सकता है कि ये तीनों मिलकर 11 रन ही बना पाये। रोहित और यशस्वी जहां मुम्बई की ओर से खेल रहे हैं, वहीं शुभमन पंजाब के कप्तान हैं। हाल के ऑस्ट्रेलिया दौरे में भारतीय टीम की खराब बल्लेबाजी के कारण क्रिकेट बोर्ड ने सभी खिलाड़ियों के लिए रणजी में खेलना अनिवार्य कर दिया था। रोहित करीब एक दशक बाद आजिंक्य रहाणे की कप्तानी वाली मुंबई मुम्बई की ओर से

रणजी मैच में जम्मू और कश्मीर के खिलाफ खेलने उतरे। मुम्बई की । पारी की शुरुआत करते हुए यशस्वी तीसरे ही ओवर में आउट हो गए। वह तेज गेंदबाज औकिब नबी डार का शिकार बने। यशस्वी 8 गेंदों पर एक चौके की सहायता से केवल 4 रन बना पाये। वहीं कप्तान रोहित भी 19 गेंदों पर 3 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। रोहित का विकेट उमर नजीर मीर ने लिया। इसके अलावा पंजाब की ओर से कर्नाटक के खिलाफ बल्लेबाजी करते हुए शुभमन भी 8 गेंदों में केवल 4 रन ही ना पाये, ये रन उन्हें चौके से मिले थे। गेंदबाज अभिलाश शेट्टी ने उन्हें आउट किया। रोहित इंग्लैंड के खिलाफ छह फरवरी से शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज और उसके बाद चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। ऐसे में उनके इस कमजोर प्रदर्शन से टीम प्रबंधन की चिन्ताएं बढ़ गयी हैं। रोहित के अलावा शुभमन और यशस्वी के भी असफल होने से भारतीय टीम की बल्लेबाजी की पोल खुल गयी है।

चैम्पियंस ट्रॉफी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए तैयार हैं सभी खिलाड़ी : हार्दिक पंड्या

दुबई । भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी को लेकर उत्साहित हैं। हार्दिक ने अन्य क्रिकेटरों मोहम्मद नबी, फिल साल्ट, शादाब खान और शाहीन शाह अफरीदी के साथ टूर्नामेंट के एक प्रमोशनल एड में कहा कि खिलाड़ी इसमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने तैयार हैं। हार्दिक ने कहा कि भारतीय टीम इस टर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन कर जीत दर्ज करने उतरेगी। चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन अगले माह पाकिस्तान में किया जाएगा हालांकि भारतयी टीम अपने मुकाबले हाइब्रिड मॉडल के तहत ही दुबई में खेलेगी। भारतीय टीम ने साल 2013 में इंग्लैंड में आयोजित इस टूर्नामेंट को जीता था जबकि 2002 में वह मेजबान श्रीलंका के साथ संयुक्त विजेता रही थी। हार्दिक ने कहा कि आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी की वापसी से क्रिकेट को काफी बढ़ावा मिलेगा। यह एकदिवसीय प्रारूप को और प्रासंगिक बनाता है। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट से प्रशंसकों और खिलाड़ियों में खेल को लेकर उत्साह आता है। उन्होंने आईसीसी के एक वीडियो में कहा कि इसमें भारतीय टीम क्रिकेट के अपने विशिष्ट कौशल का प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। इसके साथ ही अपने प्रदर्शन से हर खिलाड़ी ट्रॉफी को फिर से घर लाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस टूर्नामेंट का शुरुआती मैच पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच 19 फरवरी को कराची में होगा। वहीं भारतीय टीम 20 फरवरी को दुबई में बांग्लादेश के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगी। यह वीडियो चैम्पियंस ट्रॉफी और 'सफेद जैकेट हासिल करने के लिए सब कुछ दांव पर लगाने वाले खिलाड़ियों के सामने आने वाली चुनौतियों को दिखाता है।

ऑटोग्राफ लेने वाला नहीं, ऑटोग्राफ देने वाला बनने की कोशिश करो : कपिल देव की स्कूली बच्चों को सलाह

गुरुग्राम । भारत के पूर्व महान हरफनमौला कपिल देव ने बृहस्पतिवार को यहां एक निजी स्कूल में बच्चों के साथ बातचीत में उन्हें ऑटोग्राफ (हस्ताक्षर) मांगने वाले बनने से बचने और ऑटोग्राफ देने वाले बनने पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। भारत के 1983 विश्व कप विजेता कप्तान ने इस दौरान छात्रों के साथ मैदान पर समय भी बिताया। उन्होंने बल्लेबाजी में हाथ आजमाते हुए अपने अंदाज में स्क्वायर कट भी लगाए। इस 66 साल के पूर्व दिग्गज ने छात्रों को दिए अपने संदेश में कहा, 'छात्रों के व्यक्तित्व के विकास के लिए खेल एक जरूरी साधन है लेकिन उसे पढ़ाई की कीमत पर तवज्जो नहीं मिलनी चाहिए।' उन्होंने कहा, 'आपको कभी मेरा ऑटोग्राफ नहीं मांगना चाहिए बल्कि खुद को इतना अच्छा बनाना चाहिए कि एक दिन आप खुद उस पर हस्ताक्षर कर सकें।' कपिल की इस बात पर छात्रों ने खूब तालियां बजाईं। कपिल ने पत्रकारों को बताया कि वह उत्साही छात्रों से आश्चर्यचकित थे। उन्होंने कहा, 'मैं बेहद उत्साहित और खुश हूं कि मैं छोटे बच्चों और उभरते खिलाड़ियों के साथ अच्छा समय बिता सका। मुझे यह अवसर देने के लिए मैं स्कूल प्राधिकरण को धन्यवाद देता हूं।'

रणजी ट्रॉफी : जडेजा ने दिल्ली के खिलाफ पांच विकेट लिए

नई दिल्ली । आज से यहां शुरु हुए रणजी ट्रॉफी सत्र में सौराष्ट्र की ओर से खेलते हुए ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने पहली पारी में घातक गेंदबाजी करते हुए दिल्ली के खिलाफ पांच विकेट लिए। जडेजा की बेहतरीन गेंदबाजी से ही सौराष्ट्र ने दिल्ली को पहली पारी में 188 रन पर समेट दिया। दिल्ली की ओर से कप्तान आयुष बदोनी ने अर्धशतक लगाया। वहीं सौराष्ट्र की ओर से जडेजा ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 35वीं बार 5 विकेट ।जडेजा ने 17.4 ओवर में 66 रन देकर 5 विकेट लिए। उन्होंने सनत सांगवान, यश ढुल, आयुष बदोनी, हर्ष त्यागी और नवदीप सैनी के विकेट लिए। इस मैच में दिल्ली की टीम पहले बल्लेबाज करने मैदान पर उतरी। दिल्ली की ओर से कप्तान ऋषभ पंत भी रन बनाने में असफल रहे। ऋषभ 10 गेंद में एक ही रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। पहले दिन के खेल में जडेजा की गेंदबाजी के सामने दिल्ली के बल्लेबाज विफल रहे। पांच विकेटों के साथ ही जडेजा के अब फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 547 विकेट हो गए हैं। उनके अब 547 विकेट हो गये हैं और वह 550 के विकेट से केवल तीन विकेट दूर हैं। जडेजा ने अंतिम बार रणजी ट्रॉफी मुकाबला 2023 में तमिलनाडु के खिलाफ खेला था।

टाटा स्टील चेस: भारत के नंबर-1 शतरंज खिलाड़ी बने डी गुकेश, वर्ल्ड रैंकिंग में भी हुआ इजाफा

मुंबई (एजेंसी)। वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश का टाटा स्टील चेस टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन जारी है। उन्होंने पांचवें राउंड के मुकाबले में बुधवार को विजक आन जी को मात दी। इस जीत से गुकेश को डबल फायदा हुआ। इस दौरान वह न सिर्फ भारत के नंबर वन खिलाड़ी बने बल्कि उन्होंने वर्ल्ड रैंकिंग में भी चौथा स्थान हासिल किया। गुकेश वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद पहली बार कोई टूर्नामेंट खेल रहे हैं।

गुकेश ने पांचवें राउंड के मैच जर्मनी के विंसेंट केमार को मात दी जो कि कुछ महीने पहले तक उनकी ही टीम का हिस्सा थे। सिंगापुर में हुई वर्ल्ड चैंपियनशिप में गुकेश का सामना चीन के डिंग लिरेन था। इस चैंपियनशिप की तैयारी के लिए गुकेश ने जो टीम तैयारी की थी उसमें विंसेंट भी शामिल थे। उन्होंने गुकेश को वर्ल्ड चैंपियन बनाने में

काफी मदद की।

गुकेश ने वर्ल्ड चैंपियनशिप में कोशिश की थी कि वह लिरेन के खिलाफ मैचों को लंबा खींचे। वह चाहते थे कि लिरेन थक जाएं। विंसेंट ने भी बुधवार को गुकेश के खिलाफ यही प्रयोग अपनाया। उन्होंने कोशिश की और मैच को लंबा खींचा। वह शुरू से ही मजबूत पॉजिशन में नहीं ते लेकिन वह मैच को खींचकर 72वें मूव तक ले गाए। दोनों की बीच 6 घंटे लंबा मैच चला।

गुकेश को विंसेंट के बाद अपने एक और साथी का सामना करना है। पेंटाला हरिकृष्णा भी गुकेश की वर्ल्ड चैंपियनशिप टीम का हिस्सा थे। गुकेश सातवें राउंड में उनका सामना करने उतरेंगे। गुकेश के लिए हालांकि, ये कोई मुश्किल की स्थिति नहीं है। वह अपने विपक्षी को लेकर एक खिलाड़ी के तौर पर देखते हैं। उन्होंने टूर्नामेंट से पहले कहा था कि विंसेंट और हरिकृष्णा का सामना करना उनके लिए खास होगा। गुकेश ने कहा कि, एक बार जब मैं बोर्ड पर पहुंच जाता हूं तो आमतौर पर मुझे प्रतिद्वंद्वी की परवाह नहीं होती, चाहे वह एक अच्छा दोस्त हो या कोई और। ये हमेशा की तरह व्यवसाय होगा। पिछले साल के दौरान हमारे बीच एक मजबूत रिश्ता बना। मुझे खुशी है कि वे इस टूर्नामेंट में खेल रहे हैं।

दिव्यांग क्रिकेटर से मिले बटलर , बल्ले पर ऑटोग्राफ दिया

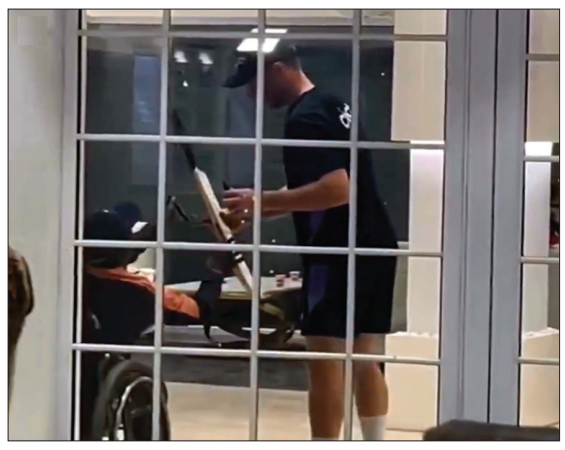

कोलकाता । इंग्लैंड की टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान जोस बटलर को लेकर एक विडियो सोशल मीडिया पर आया है। इसमें बटलर भारतीय क्रिकेट टीम से हुए टी20 मुकाबले से पहले एक दिव्यांग प्रशंसक से मिलते और उसके ऑटोग्राफ देते नजर आ रहे हैं। बटलर ने व्हीलचेयर पर रहने वाले इस प्रशंसक और दिव्यांग क्रिकेटर धर्मवीर पाल से बात कर उसके बल्ले पर हस्ताक्षर किए। इसके लिए लोगों ने इंग्लैंड के कप्तान की जमकर प्रशंसा की है। सोशल मीडिया पर वायरल इस वीडियो में दिखता है कि बटलर धर्मवीर के पा जाकर उससे बात करते देखते हैं। वीडियो की शुरूआत बटलर के रूम में जाने से पहले धर्मवीर की ओर मुड़ने से होती है। बटलर ने उनसे बात कर ऑटोग्राफ दिया। इससे धर्मवीर की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। धर्मवीर ने अपनी हिम्मत और पदर्शन के आधार पर दिव्यांग के तौर पर भारतीय टीम में जगह बनाकर अपनी पहचान बनायी है।

भारत में स्पिन खेलना बड़ी चुनौती, इससे निपटने का तरीका ढूंढना होगा : हार के बाद बोले बटलर

कोलकाता(एजेंसी)। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने यहां पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत के खिलाफ सात विकेट से मिली करारी हार के बाद कहा कि भारतीय परिस्थितियों में स्पिनरों को खेलना चुनौती बनी रहेगी और उनके बल्लेबाजों को पांच मैच की श्रृंखला में वापसी करने के लिए इससे निपटने का तरीका ढूंढना होगा।

इंग्लैंड की टीम बुधवार को यहां पहले बल्लेबाजी करते हुए वरुण चक्रवर्ती, अक्षर पटेल और रवि बिश्नोई की स्पिन तिकड़ी के सामने 132 रन आउट हो गई। भारत ने केवल 12.5 ओवर में लक्ष्य हासिल करके श्रृंखला में शुरुआती बढ़त बनाई। बटलर ने यहां ईडन गार्डन्स में मैच के बाद कहा, 'हम उस तरह का खेल नहीं खेल पाए जैसा कि खेलना चाहते थे। उन्होंने अच्छी गेंदबाजी की।'

उन्होंने कहा, 'हमारे कुछ बल्लेबाज पहली बार उनके कुछ गेंदबाजों का सामना कर रहे थे। उनके प्रदर्शन पर गौर करना अच्छा होगा। हर कोई अच्छा खेलना चाहता है और उन पर दबाव बनाना चाहता है। हम बड़ा स्कोर बनाना चाहते हैं जिसका हम बचाव कर सकें।'

इंग्लैंड के कप्तान ने स्वीकार किया कि स्पिन भारत में लगातार चुनौती बनी रहेगी और उन्होंने अपनी टीम से इससे निपटने के लिए व्यक्तिगत रणनीति तैयार करने का अनुरोध किया। बटलर ने कहा, 'हमारे पास वास्तव में अच्छे खिलाड़ी हैं और हम जानते हैं कि भारत के खिलाफ उन्हें स्पिन का काफी सामना करना पड़ेगा। हमारा मानना है कि हमें प्रत्येक मैच में कम से कम तीन स्पिनर का सामना करना पड़ेगा। हमें उन पर दबाव बनाने के लिए अपनी व्यक्तिगत रणनीति के साथ खेलना होगा।'

हार के बावजूद बटलर ने कहा कि इंग्लैंड क्रिकेट के अपने आक्रामक ब्रांड से नहीं हटेगा जो 2015 से उनकी पहचान रही है। उन्होंने कहा, 'टी20 क्रिकेट में हम हमेशा आक्रामक खेल खेलने का प्रयास करते हैं। ईमानदारी से कहूं तो मुझे लगता है कि

2015 के बाद से हमारा सीमित ओवरों की क्रिकेट में खेलने का यही तरीका रहा है और हम वास्तव में कभी इससे पीछे नहीं हटे हैं।'

चैम्पियंस ट्रॉफी विश्व क्रिकेट में सबसे अहम टूर्नामेंट : वाटसन

सिडनी । पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर शेन वाटसन ने कहा है चैम्पियंस इस टूर्नामेंट से विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को फार्म हासिल करने का अवसर मिल जाएगा। भारतीय टीम चैम्पियंस ट्रॉफी के अपने मुकाबले दुबई में खेलेगी। वाटसन ने कहा कि चैम्पियंस ट्रॉफी दो एकदिवसीय विश्व कप के बीच चार साल के अंतर को को कम करने का अच्छा रास्ता है। उन्होंने कहा, 'चैम्पियंस ट्रॉफी विश्व क्रिकेट में सबसे अहम टूर्नामेंट है क्योंकि एकदिवसीय विश्व कप चार साल में एक बार होता है। यह उस इंतजार को कम करता है और इससे इससे टेस्ट क्रिकेट और टी20 के बीच संतुलन बनता है। । एकदिवसीय क्रिकेट को इस तरह के टूर्नामेंट से ऊर्जा मिलती रहती है क्योंकि यह काफी अच्छा प्रारूप है। वाटसन ने कहा, 'हम टी20 के बाद भी एकदिवसीय क्रिकेट को बनाये रखना चाहते हैं , इसलिए चैम्पियंस ट्रॉफी अहम है। इसमें सिर्फ 8 टीमें खेलती है और हर गेंद महत्वपूर्ण होती है। इसमें आपको लगातार अच्छा खेलना होता है वरना बाहर होने का खतरा बना रहता है। भारतीय टीम ने साल 2013 चैम्पियंस ट्रॉफी जीती थी पर उस समय विराट कोहली और रोहित शर्मा अच्छे फार्मू में थे। अभी होनो ही खराब दौर से गुजर रहे हैं। वाटसन ने कहा कि यह चिंता की बात नहीं है। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि खराब दौर विराट और रोहित के प्रभाव पर कोई असर डालेगा। दुबई में हालात अलग होंगे और एकदिवसीय में वे खुलकर खेल सकेंगे। कोहली वैसे भी एकदिवसीय में अन्य प्रारुपों से बेहतर खेलते हैं। । वाटसन ने कहा, 'चैम्पियंस ट्रॉफी में रोहित के सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में होने की संभावना है।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के दौरान सुरक्षा के इंतजाम, 15000 जवानों की होगी तैनाती, सड़कों पर होगी आर्मी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले महीने 19 फरवरी से पाकिस्तान में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का आगाज होना है। सुरक्षा के कारण टीम इंडिया इस टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल के तहत दुबई में खेलेगी। जबकि अन्य 7 टीमें अपने सभी मैच पाकिस्तान में ही खेलेगी। वहीं अब इस टूर्नामेंट में सुरक्षा तैयारियों को लेकर कई खबरें सामने आ रही हैं। पिछले दिनों पाकिस्तान इस टूर्नामेंट की तैयारियां पूरी ना होने के कारण आलोचनाओं में घिरा रहा है। ऐसी कई तस्वीरें और वीडियो सामने आती रही हैं जिनमें कराची, लाहौर और रावलपिंडी के मैदानों में दर्शकों के बैठने की व्यवस्था तक दुरुस्त नहीं हुई है। वहीं अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड सुरक्षा व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में जुटा हुआ है।

वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार कहा जा रहा है कि, पाकिस्तान इस टूर्नामें के लिए सुरक्षा के लिए 15 हजार सुरक्षा कर्मियों को तैनात करने वाला है। एक पाकिस्तानी चैनल के मुताबिक पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की पुलिस ने लाहौर और रावलपिंडी मैदानों की सुरक्षा के लिए 12,564 पुलिस कर्मियों की तैनाती का प्लान बनाया है। लाहौर में कुल 7,618 और रावलपिंडी में 4,535 पुलिस कर्मियों को तैनात किया जाएगा। इसके अलावा स्पेशल ब्रांच के 411 अधिकारी सारे सिक्योरिटी ऑपरेशन संभालेंगे। सुरक्षा व्यवस्था केवल मैदानी इलाकों के लिए नहीं बल्कि आसमान में भी आर्मी सुरक्षा व्यवस्था का खास ख्याल रखेगी। पुलिस कर्मी होटल से लेकर मैदान के रास्तों पर कैमरा फिट कर रही है। हर तरह से खिलाड़ियों की सुरक्षा का इंतजाम किया जा रहा है।

बता दें कि, पाकिस्तान 29 साल बाद किसी आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी करने जा रहा है। साल 2009 में श्रीलंकाई टीम पर हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान पर सुरक्षा कारणों से लगातार सवाल उठते रहे हैं। लाहौर और रावलपिंडी के लिए सुरक्षा कर्मियों की संख्या सामने आ चुकी है लेकिन कराची को लेकर अभी तक अपडेट सामने नहीं आया है। बता दें कि, इतनी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद भारतीय क्रिकेट टीम चैंपियंस ट्रॉफी खेलने पाकिस्तान नहीं आएगी। बीसीसीआई ने हाइब्रिड मॉडल की मांग

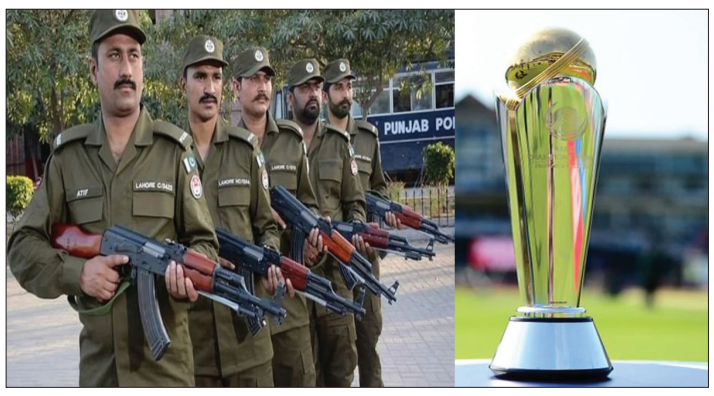

की थी, जिसके तहत टीम इंडिया के सारे मैच दुबई में खेले जाएंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संतरे से ज्यादा इन 6 फलों में होती है विटामिन सी की मात्रा,आज ही करें अपनी डाइट में शामिल,मिलेंगे गजब के फयदे

विटामिन सी से भरपूर चीजों का सेवन करने से शरीर को ऊर्जा मिलती है। वहीं अगर शरीर में विटामिन सी की कमी हो जाए तो व्यक्ति को थकान, कमजोरी, मसूड़ों से खून आना, जोड़ों में दर्द जैसे कई लक्षण महसूस होने लगते हैं। यूएसडीए के अनुसार, एक संतरा व्यक्ति की दैनिक खुराक को पूरा करने के लिए लगभग पर्याप्त होता है। यही वजह है कि जब कभी शरीर में विटामिन सी की कमी पूरी करने की बात होती है तो लोग सबसे सबसे पहले संतरे को एक अच्छा फल मानते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं, संतरे के अलावा 5 ऐसे अन्य फल भी हैं, जिनमें संतरे से ज्यादा विटामिन सी मौजूद होता है। आइए जानते हैं उनके बारे में।

अनानास

अनानास में प्रति 100 ग्राम 47.8 मिलीग्राम विटामिन सी होता है और संतरे में 45 मिलीग्राम विटामिन सी होता है।

कीवी

पोषण विशेषज्ञों के अनुसार लगभग दो कीवी में 137 मिलीग्राम विटामिन सी होता है। कीवी प्रीबायोटिक्स का एक समृद्ध स्रोत है, जो पाचन तंत्र में प्रोबायोटिक्स या अच्छे बैक्टीरिया और यीस्ट के विकास के लिए आवश्यक हैं।

जामुन

जामुन में मौजूद विटामिन सी, इम्यूनिटी बढ़ाने, घाव भरने, स्किन में कोलेजन का उत्पादन करने और आयरन के अवशोषण में मदद करती है। जामुन में विटामिन सी की अच्छी मात्रा मौजूद होती है। बता दें जामुन में प्रति 100 ग्राम में लगभग 80-90 मिलीग्राम विटामिन सी होता है, जो प्रतिरक्षा और स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है।

पपीता

पपीता विटामिन सी का अच्छा स्रोत है। पपीते में विटामिन सी की मात्रा इतनी होती है कि यह दैनिक जरूरत से 1.5 गुना ज्यादा होता है। पपीते में मौजूद विटामिन सी, प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाकर दिल की सेहत को बेहतर बनाए रखने में मदद करता है।

बेर

इस छोटे, खट्टे फल में प्रति 100 ग्राम में लगभग 90 मिलीग्राम विटामिन सी होता है, जो इसे एक हेल्दी नाश्ता बनाता है।

आंवले

आंवले में विटामिन सी की मात्रा 100 ग्राम में 500 से 700 मिलीग्राम होती है। यह विटामिन सी का एक बेहतरीन स्रोत है, जो हमेशा बना रहता है। जबकि संतरा या नींबू जैसे अन्य विटामिन सी रिच फलों में हवा या धूप के संपर्क में आने पर विटामिन सी की मात्रा कम हो जाती है।

बिना मेहनत के तेजी से बजन घटाने के लिये बेस्ट है अदरक की चाय या ग्रीन टी,जाने इस्तेमाल करने का तरीका

जब भी वेट लॉस की बात आती है तो आप क्या खाते हैं या क्या पीते हैं, यह बहुत अधिक मायने रखता है। अमूमन वेट लॉस के लिए दो बेहद ही पॉपुलर ड्रिंक हैं, ग्रीन टी और अदरक की चाय। ये दोनों ही ताज़गी देने वाली हैं, जिनसे कई तरह के हेल्थ बेनिफिट्स भी मिलते हैं। जहां ग्रीन टी कैटेचिन और कैफीन के कारण मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करके अधिक फैट बर्न करने में मदद करती है, वहीं अदरक की चाय का थर्मोजेनिक प्रभाव होता है जो भूख को कम करने, पाचन में सुधार करने और सूजन को दूर करने में मदद करता है।इस बात में कोई दोराय नहीं है कि अदरक की चाय और ग्रीन टी दोनों ही वेट लॉस मे मददगार हैं। लेकिन अक्सर लोगों को यह समझ नहीं आता कि वे इन दोनों में से किसका सेवन करें। जहां कुछ लोग ग्रीन टी की सिफारिश करते हैं तो कुछ लोगों के लिए अदरक की चाय अधिक बेहतर है। तो चलिए आज इस लेख में सेंट्रल गवर्नमेंट हॉस्पिटल के ईएसआईसी अस्पताल की डाइटीशियन रितु पुरी आपको बता रही हैं कि वेट लॉस के लिए ग्रीन टी या अदरक की चाय में से किसका सेवन करना ज्यादा बेहतर रहेगा

ग्रीन टी के वेट लॉस में फायदे

ग्रीन टी अपने कैटेचिन, विशेष रूप से एपिगैलोकैटेचिन गैलेट के लिए जानी जाती है। कैटेचिन मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करने में मददगार है, जिससे फैट बर्न करना अधिक आसान हो जाता है। साथ ही, इसमें थोड़ा कैफीन होता है जो आपका एनर्जी लेवल बनाए रखता है। अधिक एक्टिव रहने से भी वेट लॉस में मदद मिलती है।

कब पीएं ग्रीन टी?

आप वर्कआउट या भोजन से पहले एक कप ग्रीन टी का सेवन कर सकती हैं। यह फैट बर्न करने और पाचन को बेहतर बना सकती है। ग्रीन टी को दिन में दो से तीन कप पिया जा सकता है। आप इसमें शहद या नींबू भी मिक्स कर सकते हैं।

ग्रीन टी के नुकसान

अगर ग्रीन टी का अधिक सेवन किया जाता है तो इससे आपकी नींद खराब हो सकती है या कैफीन के कारण पेट खराब हो सकता है।

अदरक की चाय के वेट लॉस में फायदे

अदरक की चाय को वेट लॉस के लिए इसलिए अच्छा माना जाता है, क्योंकि यह एक नेचुरल थर्मोजेनिक है, जिसका अर्थ है कि यह आपके शरीर को गर्म करता है, जिससे अधिक कैलोरी बर्न करने में मदद मिलती है। साथ ही, यह अतिरिक्त भूख को कम करने के साथ-साथ पाचन को बेहतर बनाता है।

कब पीएं अदरक की चाय?

आप अदरक की चाय को सुबह या मील्स के बीच में ले सकते हैं। इसे दिनभर में एक से दो कप पिया जा सकता है। टेस्ट को बेहतर बनाने के लिए इसमें दालचीनी या नींबू निचोड़ें।

अदरक की चाय के नुकसान

अगर अदरक की चाय का जरूरत से ज्यादा सेवन किया जाता है तो इससे आपको हार्ट बर्न की शिकायत हो सकती है।

किसका करें सेवन?

ग्रीन टी और अदरक की चाय दोनों ही वेट लॉस में कारगर है। आप इनके गुणों के आधार पर इनका चयन करें। मसलन-

मेटाबॉलिज्म बूस्ट करने के गुणों और कैटेचिन की वजह से ग्रीन टी थोड़ी बेहतर है।

अदरक की चाय आपके पेट को आराम देने और सूजन को कम करने के लिए सबसे बढ़िया है।

ग्रीन टी एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती है, जो ओवर ऑल हेल्थ और स्किन के लिए बहुत अच्छी होती है।

वहीं, अदरक की चाय एंटी-इंफ्लेमेटरी होती है, जो कसरत के बाद मांसपेशियों के दर्द में आराम दिलाने में मदद करती है।

बेहतर रिजल्ट के लिए आप दोनों का सेवन कर सकती हैं। अतिरिक्त फैट बर्न के लिए वर्कआउट से पहले ग्रीन टी लें और पाचन को शांत करने और फूड क्रेविंग को कमम करने के लिए भोजन के बाद अदरक की चाय ली जा सकती है।

सर्दियों में इन तरीकों से डाइट में शामिल करें तिल,मिलेंगे गजब के फायदे,तेजी से कम होगा बजन

ठंड में ज्यादातर लोग तिल या तिल से बनी चीजों को खाना पसंद करते हैं। तिल के लड्डू से लेकर तिल की गजक तक, तिल सर्दियों के सुपरफूड में से एक है। तिल में प्रोटीन, आयरन, विटामिन, ओमेगा 6, मैग्नीशियम और फॉस्फोरस जैसे कई पोषक तत्व होते हैं। ये सभी पोषक तत्व हमारी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। ये शरीर को गर्म रखने के साथ ही एनर्जी बूस्ट करने में मदद करता है। इसके अलावा पेट से जिद्दी चर्बी को कम करने के लिए भी तिल काम आ सकती है। इसे खाने से भूख को नियंत्रित किया जा सकता है। पेट की जिद्दी चर्बी और वजन कम करने की सोच रहे हैं तो तिल को खाने में शामिल करें। यहां जानिए किन तरीकों से आप तिल को डायट में शामिल कर सकते हैं।

1) स्मूदी में शामिल करें - तिल के बीज पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। इसे आप सुबह की स्मूदी में मिला सकते हैं। स्मूदी में इसका एक बड़ा चम्मच मिलाने से पोषक तत्व बढ़ जाते हैं। यह आपकी स्मूदी का स्वाद और बनावट दोनों बढ़ा देगा। तिल के बीज हेल्दी फैट, प्रोटीन और फाइबर से भी भरपूर होते हैं, जो आपको लंबे समय तक तृप्त रखेंगे।

2) सलाद में डालें - आप अपने सलाद को तिल के बीज के साथ और भी ज्यादा पौष्टिक बना सकते हैं। हेल्दी फैट और फाइबर के साथ, तिल आपके सलाद में कुरकुरापन जोड़ता है। हरी पत्तेदार सब्जियों, एवोकाडो में तिल मिलाने से फैट बर्न करने में मदद मिल सकती है।

3) तिल से बनाएं बार - घर का बना ग्रेनोला बार हेल्दी स्नैक के तौर पर खाया जा सकता है। इसे बनाने के लिए ओट्स, मेवे और मुट्ठी भर तिल भून लें। थोड़ा सा शहद मिलाएं और बेकिंग ट्रे पर इसे फैला लें। इसे बेक करें और टेस्टी बार तैयार है। इसे खाकर वजन मेनेज करने में मदद मिलती है।

सर्दियों में रोज़ाना पीयें यह जूस,सेहत बनी रहेगी टनाटन,नहीं लगाने पड़ेंगे डॉक्टर के चक्कर

सर्दियों में फिट और हेल्दी रहने के कई ऑप्शन होते हैं. इस समय गाजर, मूली, शलजम, चुकंदर, शकरकंद और मटर जैसी कई सब्जियां होती है, इसमें मौजूद पोषक तत्व सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद साबित हो सकते हैं. आप इन्हें सलाद के तौर पर भी डाइट में शामिल कर सकते हैं. लेकिन अगर आपको सलाद खाना पसंद नही है तो आप इन सब्जियों का जूस बनाकर पी सकते हैं.ताजे फल और सब्जियों के जूस सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद साबित हो सकता है. तरे का जूस, नींबू का जूस, और आमला जूस में विटामिन सी होता है ऐसे में ये इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने और स्किन के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है. वहीं अलग जूस की अपनी अलग विशेषता होती है. आज हम आपको कुछ ऐसी जूस के बारे में बताने जा रहे हैं जो सर्दियों के मौसम के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं.

गाजर और चुकंदर का जूस

गाजर और चुकंदर का जूस में आयरन, विटामिन ए, विटामिन सी और कई पोषक तत्व पाए जाते हैं जो सेहत के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं. ये जूस आपकी स्किन और सेहत दोनों के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है. आप 4 गाजर, 1 चुकंदर, हरी धनिया, 1 आंवला, अदरक, स्वाद अनुसार काला नमक और चीनी मिलाकर जूस बना सकते हैं. ये आपकी स्किन के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है.

आंवले का जूस

आंवला में विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो इम्यूनिटी को बूस्ट करने के साथ ही स्किन और हेयर के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है. सर्दियों में आप आंवला और चुकंदर, आंवला और एलोवेरा, आंवला और लौका, गाजर और आंवला का जूस बनाकर भी सकते हैं.

चुकंदर, गाजर, अदरक, और सेब का जूस

चुकंदर, गाजर, अदरक, और सेब का जूस के सूज को एबीसी जूस भी कहा जाता है. इस जूस को पीने से इम्यूनिटी बूस्ट करने में मदद मिल सकती है. वहीं इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन ए, विटामिन बी6, विटामिन सी और कई पोषक तत्व मौजूद होते है, जो आपकी स्किन, होयर और ओवर ऑल हेल्थ के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं.

संतरे का जूस

संतरे में विटामिन सी, विटामिन ए और विटामिन बी जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं. इसमें मौजूद विटामिन सी इम्यूनिटी को बूस्ट करने में मददगार साबित हो सकता है. आप गाजर, हरा सेब, और संतरा इसके अलावा संतरे, मौसंबी, आंवले का जूस भी पी सकते हैं. लेकिन लिवर और किडनी से जुड़ी बीमारियां, एसिडिटी की समस्या और कई तरह की हेल्थ प्रॉब्लम्स का इस जूस का सेवन करने से बचना चाहिए.

उंगलियों की ये 5 एक्सरसाइज आपको बना देंगी जीनियस,तेजी से बढ़ेगा दिमाग

बढ़ती उम्र में व्यक्ति की याददाश्त कमजोर होना एक कॉमन समस्या है। लेकिन आजकल की भागती-दौड़ती टेंशन भरी लाइफस्टाइल के चलते कम उम्र में ही लोगों को भूलने की बीमारी हो रही है। ऐसा नहीं है कि यह समस्या सिर्फ वयस्कों में देखी जा रही है बल्कि बच्चे भी इस समस्या से अछूते नहीं रह गए हैं। बच्चों के लिए भी चीजें याद रखना मुश्किल होता जा रहा है। जिसकी वजह से वो कई बार अपनी कक्षा में बाकी बच्चों से पीछे रह जाते हैं। अगर आपको भी लगता है कि आप भी छोटी-छोटी चीजें अकसर भूल जाते हैं या आपको किसी चीज को याद रखने में कठिनाई होती है तो अपनी उंगलियों का यूज करना शुरू कर दीजिए। जी हां, दिमाग तेज करने और याददाश्त बढ़ने के लिए ये 5 आसान फिंगर मूवमेंट आपकी मदद कर सकती हैं।

पहली एक्सरसाइज

दिमाग तेज करने वाली अपनी पहली फिंगर मूवमेंट में आपको एक हाथ की सभी उंगलियों को चोंच के आकार में एक दूसरे के साथ मिलाएं और दूसरे हाथ की हथेली के बीच में चिड़ियां की तरह चोंच मारे। इस एक्सरसाइज को दोनों हाथों से एक-एक करके 50 बार दोहराएं। ऐसा करने से एकाग्रता बढ़ने के साथ मेमोरी बूस्ट होती है।

दूसरी एक्सरसाइज

अपने दोनों हाथों की उंगलियों को फैलाएं और दूसरे हाथ की उंगलियों में फंसा लें। इस दौरान आपकी दोनों हथेलियां एक दूसरे से जुड़ी हो। अब पहले अपने दाएं हाथ की उंगलियों को एक साथ उठाएं, फिर इस हाथ की उंगली को वापस बंद करें और दूसरे हाथ की उंगलियों को उठाएं। इस एक्सरसाइज को कम से कम 2 मिनट तक करें। ऐसा करने से तनाव कम होने के साथ एंजायटी भी कंट्रोल रहती है।

तीसरी एक्सरसाइज

दिमाग तेज करने के साथ डिसीजन मेकिंग को भी अच्छा बनाए रखने के लिए आप ये तीसरी फिंगर ऑपोजिशन एक्सरसाइज कर सकते हैं। इस एक्सरसाइज में आप एक-एक करके अपनी सभी उंगलियों से अपने अंगूठे को छूएं।

चौथी एक्सरसाइज

मस्तिष्क को शांत रखने के लिए इस चौथी एक्सरसाइज में %ज्ञान मुद्रा योग% जैसी तकनीक का अभ्यास करें। इस मुद्रा में दोनों हाथों की तर्जनी और अंगूठों का उपयोग किया जाता है।

पांचवीं एक्सरसाइज

गुस्से पर कंट्रोल और ओवरथिंकिंग की समस्या को कम करने के लिए आप ये पांचवीं एक्सरसाइज कर सकते हैं। इस एक्सरसाइज को करने के लिए सबसे पहले अपनी सभी उंगलियों को मिलाकर हथेली को सीधा रखें। इसके बाद उंगलियों को आधा मोड़ें, फिर उंगलियों को चोंक के आकार में बनाए और इसके बाद मुट्ठी बना लें। इस फिंगर मूवमेंट को 2 मिनट तक करें।

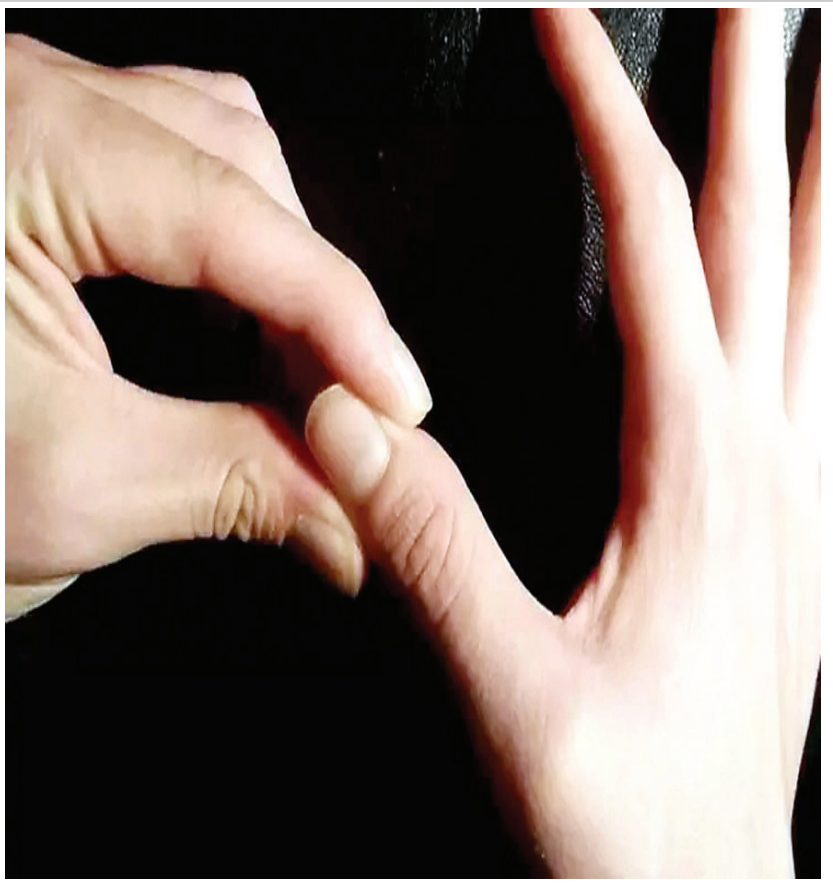

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राष्ट्रीय राजमार्ग पर टोल प्लाजा से अवैध वसूली का बड़ा रैकेट सामने आया

मिर्जापुर । नरायनपुर से हनुमना राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित अतरैला शिवगुलाम टोल प्लाजा से अवैध वसूली का बड़ा रैकेट सामने आया है। सालों से यहां लगातार अवैध वसूली की शिकायत आती रही हैं। लेकिन ठोस कार्रवाई के अभाव में टोल संचालक की रजामंदी पर मनमाने ढंग से वाहनों चालक के साथ वसूली का प्रकरण सामने आते रहे हैं। कई-कई बार दक्षिण भारत से आने वाले बड़े वाहनों को रोका गया। वाहनों को पास कराने के नाम पर उनका शोषण हुआ। इसकी शिकायत भी संबंधित से की गई लेकिन कार्रवाई के अभाव में टोल प्लाजा पर कभी कार्रवाई नहीं की गई। लेकिन अब लखनऊ एसटीएफ की कड़ी कार्रवाई के बाद पूरा मामला खुल गया। दअसल, राष्ट्रीय राजमार्ग पर टोल प्लाजा का संचालन 2021 से प्रारंभ हुआ। मात्र तीन चार सालों में कई कंपनियां बदल गईं। हालात ये है कि सभी ने अपने आपको टोल पर घाटा होना बताया। टोल वसूलने वाली पूर्व की एक कंपनी के अधिकारी ने बताया कि टोल की वसूली क्षमता प्रतिदिन की 20 लाख के पार की है। जो वर्तमान में इसमें और भी वृद्धि हुई होगी। टोल कंपनी घाटा बताकर मुनाफा कमाने का खेल करती हैं। बहरहाल, कार्रवाई से यह तय हो गया कि टोल पर किस प्रकार से वाहनों से अवैध वसूली का खेल हो रहा है। अतरैला में 2021 से शुरू हुए टोल प्लाजा के बाद अब तक कई कंपनियां टोल वसूली का कार्य कर चुकी हैं।

राजौरी में मौत पर केंद्रीय मंत्री का बयान, प्रारंभिक जांच में अज्ञात विषाक्त पदार्थों का सेवन बीमारी का कारण

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के राजौरी में 17 लोगों की मौत के बाद हड़कंप मचा हुआ है। सावधानी बरतते हुए जम्मू-कश्मीर सरकार ने राजौरी संभाग के सुदूर बधाल गांव को कंटेनमेंट जोन घोषित किया है। पूरे गांव की कड़ी निगरानी की जा रही है। अब तक माना जा रहा था कि इतने लोगों की जान जाने की वजह कोई रहस्यमयी बीमारी है। लेकिन अब केंद्रीय मंत्री ने इस दावे को लेकर एक बड़ी जानकारी दी है। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने राजौरी में पिछले एक माह में 17 लोगों की जान जाने की वजह रहस्यमयी बीमारी नहीं है। प्रारंभिक जांच में अज्ञात विषाक्त पदार्थों के कारण बीमारी के होने की संभावना जाहिर की गई है। शुरुआती जांच में जहरीला पदार्थ होने की बात सामने आई है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि लखनऊ की सीएसआईआर लैब की प्रारंभिक जांच के मुताबिक यह बीमारी कोई संक्रमण, वायरल या बैक्टीरियल प्रकृति की नहीं है। जहरीला पदार्थ पाया गया है। अब यह पता लगाने की कोशिश हो रही है कि यह किस तरह का जहरीला पदार्थ है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अगर कोई साजिश मिलाती हैं, तब उचित कार्रवाई भी की जाएगी।

पूर्व सैनिक ने पत्नी की हत्या कर शव के टुकड़े किए और प्रेशर कुकर में उबाला

हैदराबाद। एक निर्दयी पति ने अपनी पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी। आरोपी ने पहले शव के टुकड़े किए फिर प्रेशर कुकर में डालकर उबाल दिया। फिर एक बैग में भरकर झील में फेंक आया। बची हुई हडिडयों को पीसकर उन्हे भी ठिकाने लगा दिया। हिरासत में लिए गए व्यक्ति का कहना है कि उसने शरीर के टुकड़ों को उबालने के बाद उन्हें झील में फेंक दिया। आपको बता दें कि महिला के लापता होने की सूचना करीब एक सप्ताह पहले मिली थी और उसके माता-पिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी।जिस व्यक्ति पर हत्या के आरोप लगे हैं वह सेना से रिटायर है। वर्तमान में सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्यरत है। पुलिस ने बताया कि व्यक्ति पर अपनी पत्नी के साथ झगड़े के बाद अपराध को अंजाम देने का संदेह है और जांच के दौरान पूरी जानकारी सामने आएगी। बता दें कि 35 साल की पुट्टावेंकट माधवी के लापता होने की सूचना 18 जनवरी को मिली थी। उसके परिवार ने उसके पति गुरुमूर्ति से उसके बारे में पूछताछ की थी। माधवी के माता-पिता ने मीरपेट पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। उसने दावा किया कि कुछ दिन पहले एक रिश्तेदार के घर जाने को लेकर उसके साथ हुई बहस के बाद वह गुस्से में घर से चली गई थी। गुरुमूर्ति को पूछताछ के लिए मीरपेट पुलिस स्टेशन ले जाया गया, जहां उसने कथित तौर पर गुस्से में हत्या की बात कबूल की। ??पुलिस सूत्रों ने बताया कि सबूत मिटाने के लिए उसने अपने बाथरूम में उसके शरीर के टुकड़े किए। इसके बाद चूल्हे पर कुकर में टुकड़ों को उबाला। इसके बाद हड्डियों को अलग किया। इसके बाद मूसल से उन्हें पीसकर फिर से उबाला। तीन दिनों तक मांस और हड्डियों को पकाने के बाद उसने उन्हें एक बैग में पैक किया और उसे पास की एक झील में फेंक दिया।

मणिपुर की भाजपा को जारी रहेगा जदयू का समर्थन, अपने प्रदेश अध्यक्ष को हटाया

नई दिल्ली।जनता दल (यूनाइटेड) की मणिपुर इकाई के अपने प्रदेश अध्यक्ष को हटा दिया है। मणिपुर में एन बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी सरकार से अपना समर्थन वापस लेने के कुछ ही समय बाद, जदयू ने राज्य में भाजपा से नाता तोड़ने का निर्णय लेने से पहले केंद्रीय नेतृत्व से परामर्श नहीं करने के लिए मणिपुर इकाई के अध्यक्ष को उनके पद से हटा दिया। जद (यू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने मणिपुर में भाजपा के साथ संबंध तोड़ने के पार्टी के फैसले की खबर को भ्रामक और निराधार बताया। राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि यह खबर भ्रामक और निराधार है। पार्टी ने इसका संज्ञान लिया है और पार्टी की मणिपुर इकाई के अध्यक्ष को उनके पद से मुक्त कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि हमने एनडीए को समर्थन दिया है और मणिपुर में एनडीए सरकार को हमारा समर्थन भविष्य में भी जारी रहेगा। मणिपुर इकाई ने केंद्रीय नेतृत्व से कोई संवाद नहीं किया, उन्हें विश्वास में नहीं लिया गया। उन्होंने (मणिपुर जेडीयू प्रमुख) खुद ही पत्र लिखा था। इसे अनुशासनहीनता मानते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की गई और उन्हें पद से मुक्त कर दिया गया। पार्टी प्रवक्ता ने साफ तौर पर कहा कि हम एनडीए के साथ हैं और राज्य इकाई राज्य के विकास के लिए मणिपुर के लोगों की सेवा करना जारी रखेगी। बता दें कि साल 2022 विधानसभा चुनाव में जेडीयू ने राज्य की छह सीटें जीतीं।

महाकुंभ ने तोड़े सारे रिकॉर्ड, संगम में डुबकी लगाने वालों का आंकड़ा 10 करोड़ के पार

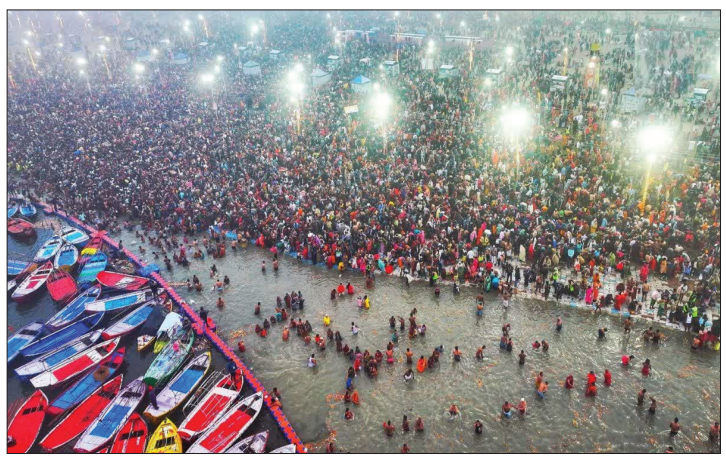

महाकुम्भ नगर (एजेंसी)। महाकुंभ के अवसर पर मोक्ष की अभिलाषा के साथ देश दुनिया के विभिन्न अंचलों से आकर तीर्थराज प्रयागराज में त्रिवेणी में पवित्र डुबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या गुरुवार दोपहर तक दस करोड़ के आंकड़े को पार कर चुकी थी। मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य मां सरस्वती के पवित्र संगम में श्रद्धा और आस्था से ओत-प्रोत साधु-संतो, श्रद्धालुओं, कल्पवासियों, स्नानार्थियों और गृहस्थों के स्नान का यह नया रिकॉर्ड है। महाकुम्भ में प्रतिदिन लाखों की संख्या श्रद्धालु पुण्य स्नान का फल प्राप्त कर रहे हैं।

सरकार पहले ही 45 दिन तक चलने वाले महापर्व के दौरान 45 करोड़ श्रद्धालुओं के यहां आने का अनुमान व्यक्त कर चुकी है जिसमें अकेले मौनी अमावस्या स्नान पर्व पर ही दस करोड़ श्रद्धालुओं के प्रयागराज आगमन के आसार हैं। गंगा की रेती पर हजारों कदम चलने के बाद त्रिवेणी के पावन जल में डुबकी लगाने वालों के जोश और उत्साह में कोई कमी नहीं दिख रही है। गुरुवार दोपहर 12 बजे तक 30 लाख लोगों ने त्रिवेणी संगम में स्नान कर लिया। इसमें 10 लाख कल्पवासियों के साथ-साथ देश विदेश से आए श्रद्धालु एवं साधु-संत शामिल रहे। इसके साथ ही महाकुम्भ में 10 करोड़ स्नानार्थियों की संख्या भी पार कर गई। पूरे महाकुम्भ मेला क्षेत्र में भक्तों का तांता लगा रहा। देश के विभिन्न प्रान्तो और विश्व के अनेक देशों से आए श्रद्धालुओं ने पवित्र संगम में स्नान किया।

संगम के तटों पर इस समय पूरे देश की विविध संस्कृतियों की झलक देखने को मिल रही है। ऊंच नीच, जात पात, पंथ से ऊपर उठकर लोग संगम स्नान कर एकता के महाकुम्भ के संकल्प को साकार कर रहे हैं। अब तक के कुल स्नानार्थियों की संख्या का विश्लेषण करें तो 23 जनवरी तक 10 करोड़ से ज्यादा लोग संगम में आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। सर्वाधिक 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने मकर संक्रांति के अवसर पर अमृत स्नान किया था, जबकि पौष पूर्णिमा के स्नान पर्व पर 1.7 करोड़ से ज्यादा लोगों ने पावन डुबकी लगाई थी। इसके अलावा प्रतिदिन लाखों की संख्या में श्रद्धालु पुण्य स्नान कर रहे हैं।

सोनू-मोनू का पिता वकील नहीं डाकू है, घटना के दिन पिस्टल लिए था

-बिहार में हुई फायरिंग के बाद छोटे सरकार ने लगाए गंभीर आरोप

पटना। छोटे सरकार के नाम से चर्चित पूर्व विधायक अनंत सिंह ने गैंगवार के मामले में गुरुवार को सोनू-मोनू के पिता पर गंभीर आरोप लगाए हैं। अनंत सिंह ने कहा कि सोनू-मोनू का पिता वकील नहीं डाकू है। सिर्फ अपने बेटों का केस लड़ता है। वह भी अपराधी है। घटना के दिन वह भी पिस्टल लिए हुए था।

पूर्व विधायक अनंत से पूछा कि सोनू-मोनू के माता-पिता आरोप लगा रहे हैं कि आपने उन लोगों पर फायरिंग की है। इस पर अनंत सिंह ने कहा हम कहां कह रहे हैं कि हम पर आरोप मत लगाओ। हमको यह नहीं सुनना है। आप लोग सुनते रहिए कि क्या आरोप लगा रहा है। हमको फंसाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन हमको कोई दिक्कत नहीं है।

अनंत सिंह ने कहा कि कोई भी हम जुल्म करेंगे तो जेल जाएंगे ही। सोनू-मोनू से मेरी कोई दुश्मनी नहीं है। वह लोग चोर है। हम उन लोगों को नहीं जानते हैं। अनंत पर एफआईआर दर्ज होने की बात पर उन्होंने कहा कि एफआईआर दर्ज होगी तो होगी। मेरे जिन लोगों को गोली लगी है पुलिस उनके पास जाएगी तो वह लोग भी एफआईआर कराएंगे। अनंत सिंह ने घटना को लेकर कहा कि मोकामा मेरा क्षेत्र है। हम वहां से विधायक रहे हैं। मेरी पत्नी विधायक है।

खराब स्वास्थ्य के चलते राहुल गांधी की मुस्तफाबाद की रैली भी हुई रद्द

`* कांग्रेस ने आप को 'अल्कोहल अफेक्टेड पार्टी बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और रायबरेली से सांसद राहुल गांधी गुरुवार को भी दिल्ली में चुनाव प्रचार नहीं कर सके। उनकी मुस्तफाबाद की रैली भी रद्द हुई है। कांग्रेस पार्टी ने कहा कि तबीयत खराब होने की वजह से राहुल गांधी चुनाव प्रचार करने नहीं आ सके। बता दें कि बुधवार को राहुल गांधी को सदर बाजार में जनसभा को संबोधित करना था, लेकिन राहुल गांधी यहां भी नहीं पहुंचे। खराब स्वास्थ्य के चलते राहुल की नई दिल्ली सीट पर प्रस्तावित कार्यक्रम भी रद्द करना पड़ा। वे 21 जनवरी को कर्नाटक के बेलगावी में कांग्रेस की जय बाबू, जय भीम, जय संविधान रैली में भी शामिल नहीं हुए थे। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि राहुल आने वाले दिनों में दिल्ली में कई जनसभाएं कर सकते हैं। वे रोड शो और पदयात्रा में भी शामिल हो सकते हैं।

कांग्रेस ने पूर्ववर्ती अरविंद केजरीवाल सरकार की शराब नीति में कथित भ्रष्टाचार को लेकर गुरुवार को आम आदमी पार्टी (आप) पर निशाना साधकर आरोप लगाया कि 'आप' का मतलब 'अल्कोहल अफेक्टेड पार्टी आप) है तथा 'शराब से पैसा बनाने की उसकी लत' ने दिल्ली को पूरी तरह बर्बाद कर दिया। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि एक ऑडियो भी जारी किया जो कथित तौर पर आप विधायक शरद चौहान का है। कांग्रेस द्वारा जारी ऑडियो में दावा किया गया कि उपमुख्यमंत्री रहते आप नेता मनीष सिसोदिया ने शराब नीति को मंजूरी देने के साथ कहा था कि उनकी पार्टी को चुनाव लड़ने के लिए इससे पैसा आएगा। कांग्रेस नेता द्वारा जारी ऑडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

वहीं आप की तरफ से फिलहाल इन आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। खेड़ा ने कहा, 'शराब स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है और शराब की लत इंसान, उसके परिवार और समाज को बर्बाद कर देती है, यह हम सब जानते हैं। लेकिन शराब से पैसा बनाने की लत से न सिर्फ इंसान और समाज बल्कि पूरा शहर खराब हो जाता है। उन्होंने आरोप लगाया, 'अल्कोहल अफेक्टेड पार्टी यानी आप ने शराब के जरिए पैसा बनाने की लत में पूरी दिल्ली को बर्बाद करके रख दिया।'

कई राज्यों में हिंदू नामों के लिबास में खुद को छिपाकर रह रहे अवैध बांग्लादेशी

`* पिछले कुछ दिनों में कई बांग्लादेशी घुसपैठिया को पकड़ा गया

`* बंगाल और असम में सबसे ज्यादा संख्या

मुंबई (एजेंसी)। फिल्म अभिनेता सैफ अली खान पर हमला करने वाला आरोपी शरीफुल इस्लाम शहजाद बांग्लादेशी घुसपैठिया निकला, जो बिजॉय दास नाम से मुंबई में रह रहा था। मुंबई में एक बांग्लादेशी महिला कुलसुम शेख को भी मुंबई पुलिस ने पकड़ लिया है। वह 2016 से मोहिनी के नाम से शहर में रह रही थी। इसतरह से कई बांग्लादेशी बेंगलुरु, दिल्ली, यूपी, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, असम, कर्नाटक और देश के कई राज्यों से पकड़े जा चुके हैं, जिन्होंने भारत में हिंदू नामों के लिबास में खुद को छिपाया हुआ है। दिल्ली में आए दिन बांग्लादेशियों के पकड़े जाते हैं। देश के कई हिस्से हैं, जहां अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण इलाके की डेमोग्राफी बदल गई है। पिछले दिनों पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने भी बीएसएफ पर घुसपैठ कराने के सनसनीखेज आरोप लगाए थे।

रिपोर्टस के मुताबिक, कश्मीर से कन्याकुमारी के बीच देश के करीब 17 राज्यों में करीब दो करोड़ बांग्लादेशी अवैध रूप से निवास कर रहे हैं। इस बारे में पहला आधिकारिक आंकड़ा संसद में 2007 में आया था। तब तत्कालीन गृह राज्य मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल ने बताया था कि भारत में 1.2 करोड़ अवैध बांग्लादेशी हैं। हालांकि बाद में उन्होंने आंकड़े के स्रोतों को गलत बताकर अपना बयान वापस ले लिया था। फिर दूसरी बार इस पर सीबीआई के पूर्व डायरेक्टर जोगिंदर सिंह ने 2014 में एक आंकड़ा रखा। तब उन्होंने अनुमान लगाया था कि देश में करीब पांच करोड़ अवैध बांग्लादेशी घुसपैठिए हैं। हालांकि इस आंकड़े की कभी पुष्टि नहीं हुई। मगर हर शहर में बनी अधिकतर अवैध झुग्गियों का कनेक्शन इन बांग्लादेशियों से रहा है।

रिपोर्टस के अनुसार, पश्चिम बंगाल में 57 लाख और असम में 50 लाख से अधिक बांग्लादेशी हैं। असम के 33 जिलों में से 9 बारपेटा, धुबरी, दरांग, नौगांव, करीमगंज, दारंग, मोरीगांव, बोंगाईगांव, धुबरी,गोलपारा और लाकांडी में मुस्लिम आबादी 50 से 80 प्रतिशत तक पहुंच गई है। बीजेपी सहित कई संगठनों का दावा है कि राज्य में 45 विधानसभा सीट पूरी तरह से मुस्लिम वोटरों के कब्जे में है, इसमें अधिकतर बांग्लादेश से पलायन कर असम पहुंचे हैं। असम के नलबाड़ी, कछार और कामरूप में भी धार्मिक जनसंख्या में बदलाव हुआ है। पिछले चार दशकों में बिहार के सीमांचल के चार जिले किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया में मुस्लिम आबादी बहुत तेजी से बढ़ी है। किशनगंज में मुस्लिम आबादी 67.58 प्रतिशत और हिंदू आबादी 31.43 प्रतिशत है। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने रिपोर्ट में दावा किया है कि झारखंड के संथाल परगना क्षेत्र में बांग्लादेशी घुसपैठ हो रही है और इस कारण से क्षेत्र की जनसांख्यिकी में काफी बदलाव आया है। विधानसभा चुनावों में इस पर खूब होहल्ला मचा था।

सूत्रों के अनुसार, त्रिपुरा, असम और बंगाल में बिचौलियों की भरमार है, जो बांग्लादेशियों को भारत में अवैध तरीके से बसाने और उनके लिए फर्जी कागजात बनाते हैं। इसके अलावा बंगाल से बांग्लादेश से लगने वाले 2272 किलोमीटर लंबे बॉर्डर में कई लूप होल हैं। पश्चिम बंगाल का मालदा, दिनेशपुर, छपली नवबादगंज, मुर्शिदाबाद और 24-परगना घुसपैठ के लिए बदनाम है। इसके अलावा हुगली नदी और जंगल के रास्ते से घुसपैठ होती है। सैफ के हमलावर शरीफुल इस्लाम ने छह माह पहले बॉर्डर किनारे बहने वाली दावकी नदी को पार करके भारत में घुसपैठ की थी। 22 जनवरी को हरियाणा के रेवाड़ी में 15 बांग्लादेशी पकड़े गए, जो 15 साल पहले भारत आए थे। फरवरी 2024 में आगरा से 40 बांग्लादेश घुसपैठिये पकड़े गए थे। रिपोर्टस के मुताबिक, बॉर्डर क्रॉस कराने वाले एजेंट हर बांग्लादेशी घुसपैठिए से चार से 15 हजार रुपये वसूलता है। फिर उन्हें नकली दस्तावेज और नौकरी के लिए अलग-अलग पैसे देने होते हैं। मुंबई पुलिस ने एक रैकेट का खुलासा किया था, जिसमें पता चला कि एजेंटों ने घुसपैठ से लेकर नौकरी दिलाने तक के रेट तय कर रखे हैं।

आप और कांग्रेस ने उतार दिए मुस्लिम प्रत्याशी, त्रिकोणीय मुकाबले में फंसी बल्लीमारान सीट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की हाई प्रोफाइल सीटों में पुरानी दिल्ली की बल्लीमारान सीट भी शामिल है। कभी कांग्रेस का गढ़ रही सीट अभी आम आदमी पार्टी के पास है। सीट की एक बड़ी खासियत यह है कि इस सीट से जीत दर्ज करने वाले विधायक को दिल्ली मंत्रिमंडल में जगह मिलती है। 2015 से इस सीट पर आप का कब्जा है। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) आज तक यह सीट जीत नहीं सकी है, लेकिन इस बार भगवा दल ने कमल बागड़ी को उम्मीदवार बनाया है। बागड़ी युवा और निगम पार्षद हैं। वहीं कांग्रेस ने अपने पुराने चेहरे और पूर्व मंत्री हारुन यूसुफ पर फिर से दांव लगाया है। वहीं आप ने दिल्ली सरकार में मंत्री इमरान हुसैन को मौका दिया हैं।

इस सीट को जीतने के लिए तीनों दलों ने एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया है। जानकार मानते हैं कि सीट पर मुकाबला रोचक और त्रिकोणीय मुकाबले में फंसा हुआ है। यह सीट मुस्लिम बहुल है। मुस्लिम मतदाताओं की एकजुटता सीट पर जीत और हार तय करने में बड़ी भूमिका निभाती है। जानकारों का मानना है कि इस चुनाव में आप और कांग्रेस दोनों के उम्मीदवार मुस्लिम समुदाय से हैं। इसमें यदि मुसलमान वोटरों में बिखराव हुआ, तब इसका फायदा भाजपा को मिल सकता है। भाजपा भी मुस्लिम वोटों में सेंधमारी की कोशिश कर रही है। कहा जा रहा है कि मुस्लिम वोटर जिसके पक्ष में लामबंद होते हैं, उसकी जीत की राह आसान हो जाएगी।

बल्लीमारान सीट पर मतदाताओं की कुल संख्या 153231 है। इसमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 83202 और महिला वोटरों की संख्या 70013 है। इस सीट पर थर्ड जेंडर भी 16 हैं। पिछले 2020 के चुनाव नतीजों में सीट पर आप उम्मीदवार इमरान हुसैन विजयी हुए। हुसैन को 64.87 फीसद यानी 65,612 वोट मिले। दूसरे स्थान पर भाजपा रही। भाजपा उम्मीदवार को 29.12 फीसद यानी 28,995 वोट और तीसरे स्थान पर रहने वाली कांग्रेस को 4.75 प्रतिशत वोट यानी 4797 वोट मिले। कांग्रेस ने इस बार अपना पूरा दम-खम लगा दिया है।

बल्लीमारान सीट पर 1993 से 2013 तक कांग्रेस का कब्जा रहा। सीट से कांग्रेस के यूसुफ लगातार जीत दर्ज करते आए लेकिन 2015 के चुनाव में आप ने पहली बार इस सीट से जीत दर्ज की। तब से यह सीट उसके पास है। घनी आबादी और तंग गलियों वाले बल्लीमारान के बाजार में दूर-दूर से लोग खरीदारी और कारोबार के लिए आते हैं। यहां जाम की समस्या आम बात है। सड़क किनारे पोलों पर लिपटे और लटके बिजली के तार यहां की खास पहचान हैं। जगह-जगह कूड़ा और कचरा भी समस्या है। लोग इसका प्रबंधन चाहते हैं।

सैफ पर हमला मामले में नया मोड़, आरोपी शहजाद के पिता का बयान, सीसीटीवी फुटेज में दिखा शख्स मेरा बेटा नहीं

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेता सैफ अली खान पर हमले मामले में एक बड़ा मोड़ आ गया है। जहां अभी तक सोशल मीडिया पर इसकी चर्चा हो रही थी, वहीं अब आरोपी शहजाद के पिता ने भी चौंकाने वाला बयान दिया है। पुलिस की गिरफ्त में आरोपी शहजाद के पिता रुहैल अमीन फकीर ने कहा है कि सैफ के घर में सीसीटीवी में जो संदिग्ध दिख रहा है वहां उनका बेटा नहीं है।

सैफ पर बीते गुरुवार की रात हुए हमले के बाद पुलिस ने कई संदिग्ध को पकड़कर दावा किया कि उन्होंने आरोपी को पकड़ लिया है। घटना के दो दिन बाद पुलिस ने ठाणे के इलाके से मोहम्मद शरीफुल इस्लाम शहजाद को गिरफ्तार किया। अब शहजाद के पिता का बयान सामने आया है, जो होश उड़ाने वाला है। शहजाद के पिता का नाम रुहैल है। उन्होंने बयान दिया है उससे पुलिस के दावे पलटते हुए दिख रहे हैं। उन्होंने कहा है कि सैफ पर हमले के बाद सीसीटीवी में जो दिखा वहां मेरा बेटा नहीं है।

एक मीडिया हाऊस ने उन्हें वॉट्सएप पर सीसीटीवी और उनके बेटे दोनों की तस्वीर भेजी, जिस पर उसके पिता ने दावा किया कि दोनों अलग-अलग हैं। अमीन का कहना ही कि पुलिस ने जो सीसीटीवी में फोटो दिखाई है वहां कोई और है। उन्होंने कहा, मैं उसका पिता हूं, अच्छे से देखने के बाद ही कह रहा हूं। सैफ के घर सीसीटीवी में दिख रहा संदिग्ध मेरा बेटा नहीं है। जो अरेस्ट हुआ है, वह मेरा बेटा है। रुहैल अमीन फकीर ने कहा, सीढ़ियों पर जो दिख रहा है वहां मेरा बेटा नहीं है। मैं उसका बाप हूं। जो सीसीटीवी में दिखा है, उसकी कद-काठी भी मेरे बेटे जैसे नहीं है। मैंने कई बार फोटो देखी है, अपने परिवार को भी दिखाया है।

हालांकि पुलिस का कहना है कि उन्होंने मामले में हर तरीके से जांच कर ली है और पूरी तरह से जांच-पड़ताल के बाद ही इस फैसले तक पहुंची है। मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम ने दावा किया है कि घटनास्थल से शरीफुल के 19 फिंगर प्रिंट्स मिले, जिनकी जांच करवाई जा रही है।

भारत में मतदाताओं की संख्या बढ़कर एक अरब के करीब पहुंची

नई दिल्ली। भारत में मतदाताओं की संख्या अब 99.1 करोड़ हो गई है, जो पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव के समय 96.88 करोड़ थी। निर्वाचन आयोग ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस से पहले जारी एक बयान में कहा कि मतदाता सूची युवा और लैंगिक रूप से संतुलित दिखती है, जिसमें 18 से 29 आयु वर्ग के 21.7 करोड़ युवा मतदाता हैं और मतदाता लैंगिक अनुपात 2024 में 948 से छह अंक बढ़कर 2025 में 954 हो गया है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस हर साल 25 जनवरी को निर्वाचन आयोग के स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिसकी स्थापना 1950 में हुई थी। दिल्ली विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के लिए 7 जनवरी को यहां संवाददाता सम्मेलन में मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने कहा था कि भारत जल्द ही एक अरब से ज्यादा मतदाताओं का नया रिकॉर्ड बनाएगा।

रहें सावधान... फिर आ रहा तेज सर्दी के साथ, बारिश और ओलावृष्टि का दौर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सूरज को देखकर फिर बादल घुमड़ने लगे हैं। कई दिनों से निकल रही धूप के बाद बारिश की दस्तक से ठंड का प्रकोप बढ़ने वाला हैं। पहले ही जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में हो रही बर्फबारी के कारण मैदानी इलाकों में सर्दी बढ़ने की आहट हो चुकी है। इधर, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा-पंजाब में शीतलहर के साथ पाला भी परेशान कर रहा है। इसमें से कई राज्यों में कोल्ड डे जैसी स्थिति बनी हुई है। अब फिर आईएमडी ने 24 जनवरी से लेकर सप्ताह के अंत तक कई राज्यों में बादल छाए रहने के साथ बारिश और ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है। दक्षिण भारत के तमिलनाडु में अगले 2 दिन तक आंधी के साथ बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना जाहिर की गई है। आईएमडी आने वाले दिनों में पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से मौसम में बदलाव की बात कर रहा है। मौसम विभाग ने बताया है कि 24 से लेकर 26 जनवरी तक बादलों की आवाजाही के साथ बारिश हो सकती है। कई राज्यों तेज हवाओं के साथ बारिश और बिजली कड़कने सहित ओलावृष्टि होने का अलर्ट है। केरल और तमिलनाडु में भी आगामी 3 दिन तक तेज आंधी तूफान के साथ भारी बारिश और आकाशीय बिजली गिरने का अलर्ट है। इधर, उत्तर भारत में कोहरे की धुंध के कारण बड़ी संख्या में ट्रेन और हवाई परिवहन बुरी तरह से प्रभावित है। कई ट्रेनों के विलंब से चलने और कईयों को रद्द कर दिया गया है।

आईएमडी के मुताबिक, एनसीआर के लोगों का अब अगले एक हफ्ते तक कोहरे और तेज हवाओं का सामना करना पड़ेगा। इसकारण ठंड फिर बढ़ जाएगी। 24 जनवरी को अधिकतम तापमान 20 डिग्री और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। 25 जनवरी को अधिकतम तापमान 20 और न्यूनतम तापमान 9 डिग्री रहने की संभावना है। 26, 27 और 28 जनवरी को एनसीआर में घना कोहरा छाया रहेगा। इस दिनों अधिकतम तापमान 20 डिग्री और न्यूनतम तापमान 8 डिग्री रहने की उम्मीद है। मौसम में बदलाव के कारण डॉक्टरों ने लोगों को सलाह दी कि वे लापरवाही ना बरतें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेन जंग पर ट्रम्प की पुतिन को चेतावनी : कहा- बातचीत को तैयार नहीं हुए तो रूस पर प्रतिबंध लगाएंगे

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूक्रेन जंग के मुद्दे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन को चेतावनी दी है। ट्रम्प ने मंगलवार को कहा अगर पुतिन जंग पर बातचीत के लिए तैयार नहीं होते हैं, तो अमेरिका रूस पर प्रतिबंध लगाएगा। उन्होंने कहा कि वे हर समय पुतिन से बातचीत और व्यक्तिगत तौर पर मिलने के लिए तैयार हैं। मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए ट्रम्प ने कहा कि यूक्रेन में जंग कभी शुरू ही नहीं होनी चाहिए थी, यहां भयंकर स्थिति है, लाखों लोग मारे जा रहे हैं। उन्होंने कहा- अगर अमेरिका में एक सक्षम राष्ट्रपति होता, तो यह जंग कभी नहीं होती। अगर मैं राष्ट्रपति होता, तो ऐसा नहीं होता। ट्रम्प ने दावा किया कि उनके कार्यकाल में रूस ने यूक्रेन पर हमला करने की हिम्मत नहीं की थी। यूक्रेन को हथियार सप्लाई की समीक्षा करेंगे यूक्रेन को अमेरिका से होने वाली हथियारों की सप्लाई पर ट्रम्प ने कहा कि वो इसकी समीक्षा कर रहे हैं। ट्रम्प ने बताया कि वो यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से इस मुद्दे पर बात कर रहे हैं। ट्रम्प जल्द ही पुतिन से भी बात करेंगे। दूसरी तरफ ट्रम्प ने यूरोपीय यूनियन पर अमेरिका की तुलना में यूक्रेन को कम वित्तीय सहायता देने का आरोप लगाया। ट्रम्प ने कहा कि हम यूक्रेन के लिए 200 अरब डॉलर दे रहे हैं। यूरोप को हमसे ज्यादा खतरा है, फिर वे कम मदद दे रहे हैं। ट्रम्प ने यूक्रेनी राष्ट्रपति से अपनी बातचीत का जिक्र करते हुए कहा कि जेलेंस्की शांति चाहते हैं। इसके लिए रूस और यूक्रेन, दोनों पक्षों को बातचीत करनी होगी। दोनों में सहमति होना जरूरी है। यूक्रेन जंग पर पुतिन ने जिनपिंग से बात की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मंगलवार को यूक्रेन जंग को खत्म करने और नए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से संबंधों को लेकर बातचीत की। जिनपिंग और पुतिन ने वीडियो कॉल के जरिए एक घंटे 35 मिनट तक बातचीत की। दोनों ने रूस और चीन के बीच रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने का प्रस्ताव भी रखा। क्रेमलिन के विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव ने बताया कि रूस अमेरिका के साथ सम्मानजनक रिश्ते रखना चाहता है।

मेम्फिस में डिप्टी ने चोरी की कार में बैठे व्यक्ति को गोली मारी

मेम्फिस, एजेंसी। मेम्फिस में मंगलवार को एक डिप्टी ने चोरी की कार चलाने के संदेह में एक व्यक्ति को गोली मार दी। टेनेसी ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (टीबीआई) की प्रवक्ता किम व्हीलर ने बताया कि शेल्बी काउंटी शेरिफ कार्यालय के डिप्टी ने चोरी की कार में सवार एक व्यक्ति को देखा और उसे पूर्वी मेम्फिस में व्यापारिक प्रतिष्ठानों के पास हिरासत में लेने की कोशिश की, लेकिन स्थिति बिगड़ गई और डिप्टी ने उसे गोली मार दी, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हालांकि, कोई डिप्टी घायल नहीं हुआ। व्हीलर ने कहा कि अभी यह पता नहीं चला है कि स्थिति कैसे बिगड़ी या मारे गए व्यक्ति और डिप्टी के बारे में कोई अन्य जानकारी जैसे नाम, उम्र, लिंग और नस्ल क्या है। व्हीलर ने कहा कि जांच एजेंट साक्ष्य इकट्ठा कर रहे हैं और यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि गोलीबारी के पीछे क्या घटनाएं थीं। बता दें कि टीबीआई राज्य की पुलिस एजेंसी है। यह कानून प्रवर्तन एजेंसियों से जुड़ी गोलीबारी की घटनाओं की जांच करती है और अपनी रिपोर्ट स्थानीय जिला अटॉर्नी को देती है, जो यह तय करता है कि क्या आरोप लगाए जाएं या नहीं।

तेल अवीव में चाकू से हमले में चार लोग घायल, संदिग्ध मारा गया

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइली पुलिस ने बताया कि मंगलवार शाम को मध्य तेल अवीव में चाकू से हुए हमले में चार लोग घायल हो गए और संदिग्ध हमलावर मारा गया। यह घटना गाजा में हमास के साथ चल रहे संघर्ष विराम के तीसरे दिन हुई। पुलिस ने हमलावर की पहचान नहीं की, लेकिन इसे आतंकवादी कृत्य माना जा रहा है। इससे पहले मंगलवार को, इस्राइल ने कब्जे वाले पश्चिमी तट पर एक बड़ा सैन्य अभियान शुरू किया, जिसमें कम से कम नौ फलस्तीनी मारे गए और 40 अन्य घायल हुए। इस बारे में फलस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों ने जानकारी दी। बता दें कि गाजा में लागू संघर्ष विराम पश्चिमी तट पर लागू नहीं होता, जहां इस्राइली सैनिक अक्सर छापे मारते हैं, जिससे गोलीबारी होती रहती है।

भारतीय अमेरिकी सांसद प्रमिला जयपाल के पिता का निधन

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय अमेरिकी सांसद प्रमिला जयपाल ने मंगलवार को कहा कि उनके पिता एमपी जयपाल का निधन हो गया है और वह अपनी मां और बहन से मिलने के लिए भारत आ रही हैं। जयपाल ने एक बयान में कहा, मेरे प्यारे पिता एमपी जयपाल का कल रात शांतिपूर्ण तरीके से निधन हो गया। मैं अपनी मां और बहन से मिलने के लिए भारत आ रही हूं, क्योंकि हम उस व्यक्ति के लिए शोक और जश्न मना रहे हैं, जिसने हमें इतने अवसर दिए हैं।

अनुचित कारोबारी व्यवहार के लिए गूगल पर इंडोनेशिया ने लगाया 103 करोड़ जुर्माना

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया की एंटीट्रस्ट एजेंसी ने मंगलवार को गूगल पर अनुचित कारोबारी व्यवहार के लिए करीब 1.2 करोड़ डॉलर (103 करोड़ रुपये) का जुर्माना लगाया है। एजेंसी ने 2022 में गूगल के खिलाफ एक जांच शुरू की थी। आरोप है कि गूगल ने अपने प्ले स्टोर से इंडोनेशियाई एप डेवलपर्स के एप को गलत तरीके से हटा दिया था। पैनल ने सुनवाई में कहा कि गूगल ने एप डेवलपर्स की कमाई को कम कर दिया, क्योंकि इससे उपयोगकर्ताओं की संख्या में कमी आई, साथ ही कहा कि गूगल ने एकाधिकार बनाए रखने के इंडोनेशियाई कानून का उल्लंघन किया।

यूएस में जन्म के आधार पर नागरिकता खत्म करने का विरोध, भारतीय मूल के सांसदों ने उठाई आवाज

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में जन्मसिद्ध नागरिकता को लेकर राजनीति गर्माहट तेज हो चुकी है। राष्ट्रपति पद संभालने के साथ ही डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जन्मसिद्ध नागरिकता में बदलाव के लिए एक कार्यकारी आदेश जारी किया। इसको लेकर भारतीय-अमेरिकी सांसदों ने असंतुष्टि जताई और ट्रंप के इस आदेश का जमकर विरोध किया। बता दें कि ट्रंप के आदेश के तहत जन्मसिद्ध नागरिकता को लेकर भविष्य में बिना दस्तावेज वाले अप्रवासियों के बच्चों को नागरिकता नहीं मिलेगी। यह आदेश उन माता-पिताओं के बच्चों पर भी लागू होगा जो कानूनी रूप से लेकिन अस्थायी रूप से अमेरिका में रह रहे हैं, जैसे विदेशी छात्र या फिर पर्यटक। सीधे शब्दों में कहे तो आदेश में ये कहा गया है कि 19 फरवरी, 2025 के बाद जिन बच्चों के माता-पिता अमेरिकी नागरिक या वैध स्थायी निवासी नहीं होंगे, उन्हें नागरिकता नहीं मिलेगी।

भारतीय-अमेरिकी सांसद ने जताई नाराजगी : ट्रंप के इस आदेश के बाद भारतीय-अमेरिकी सांसदों ने इसका जमकर विरोध किया। वहीं इस मामले में भारतीय-अमेरिकी सांसद रो खन्ना ने कहा कि इस आदेश से न केवल अवैध अप्रवासियों के बच्चों पर असर पड़ेगा, बल्कि उन लोगों पर भी प्रभाव होगा जो एच-1बी वीजा पर अमेरिका में वैध रूप से रह रहे हैं। साथ ही खन्ना ने कहा कि ट्रंप का

आदेश जन्मजात नागरिकता को खत्म करता है न सिर्फ अवैध अप्रवासियों के बच्चों के लिए, बल्कि उन वैध अप्रवासियों के लिए भी जो अस्थायी रूप से अमेरिका में हैं। गौरतलब है कि एच-1बी वीजा उन विदेशी कर्मचारियों को दिया जाता है जो तकनीकी या विशेष पेशेवर काम के लिए अमेरिका आते हैं और हर साल भारत जैसे देशों से बड़ी संख्या में लोग इसका लाभ उठाते हैं।

भारतीय सांसदों ने बताया असंवैधानिक : इस मामले में भारतीय-अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने कहा कि जन्मसिद्ध नागरिकता अमेरिका का कानून है और वह इसे हर हालत में बचाने के लिए संघर्ष करेंगे। वहीं प्रमिला जयपाल ने इसे असंवैधानिक बताते हुए कहा कि राष्ट्रपति इसे एक आदेश से बदल नहीं सकते। इसके साथ ही आव्रजन अधिकार समूहों ने इसे अदालत में चुनौती देने की बात की है, क्योंकि उनका कहना है कि यह आदेश असंवैधानिक है।

ट्रंप के फैसले को न्यू जर्सी के अटॉर्नी जनरल की चुनौती : वहीं इस मामले में 22 राज्यों के अटॉर्नी जनरल ने राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ अदालत में मुकदमा दायर किया है। इन राज्यों का कहना है कि 14वें संशोधन के तहत जन्मसिद्ध नागरिकता स्वचालित है और इसे बदलने का अधिकार न तो राष्ट्रपति के पास है न ही कांग्रेस के पास।

यह आदेश संविधान का उल्लंघन- अटॉर्नी जनरल : साथ ही मामले में न्यू जर्सी के अटॉर्नी जनरल मैथ्यू प्लैटकिन और कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल रॉब बोन्टा ने कहा कि यह आदेश संविधान का उल्लंघन है। डेमोक्रेटिक पार्टी के अजय भुटोरिया ने भी कहा कि यह आदेश असंवैधानिक है और यह अमेरिका के मूल मूल्यों को कमजोर करता है।

क्या है जन्मसिद्ध नागरिक कानून : इससे पहले अमेरिकी धरती पर जन्मे किसी भी बच्चे के पास जन्म के साथ ही अमेरिकी नागरिकता का अधिकार होता था। यह अधिकार अमेरिकी संविधान के 14वें संशोधन कानून के तहत दिया जाता है। इसके उल्लंघन पर कार्यकारी आदेश को न्यायालय में चुनौती दी जा सकती है। ट्रंप प्रशासन की तरफ से इस आदेश के 30 दिन बाद से अमेरिका में जन्म लेने वाले बच्चों को उनके माता-पिता के देश में रहने के कानूनी अधिकार से जोड़कर ही नागरिकता दी जाएगी।

न्यूयॉर्क के स्कूलों में मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर लगेगी रोक? छात्रों के हित में गवर्नर होचुल का प्रस्ताव

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने मंगलवार को राज्य भर के स्कूलों में छात्रों के मोबाइल फोन इस्तमाल पर रोक लगाने को लेकर प्रस्ताव रखा। इसके तहत अगले शैक्षणिक वर्ष से न्यूयॉर्क राज्य के सभी स्कूलों में छात्रों को अपने सेलफोन छोड़ने होंगे। बता दें कि गवर्नर होचुल की इस योजना के लिए विधायकों की स्वीकृति की आवश्यकता होगी और यह योजना स्कूलों में छात्रों को कक्षा, दोपहर के भोजन, और हॉलवे में अपने फोन और अन्य उपकरणों को इस्तेमाल करने से रोकने के लिए है। गवर्नर होचुल ने प्रस्ताव को लेकर जानकारी देते हुए कहा कि इस कदम से छात्रों को कक्षा में ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलेगी और उनके मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होगा। उन्होंने कहा कि बच्चे अपने फोन से बहुत अधिक व्यस्त होते हैं, जिससे वे पढ़ाई पर ध्यान नहीं दे पाते। साथ ही होचुल का यह भी मानना है कि जब बच्चे अपने दोस्तों के साथ वायरल डांस और संदेशों पर ध्यान दे रहे होते हैं तो उन्हें पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने में मुश्किल होती है। गवर्नर द्वारा दिए गए प्रस्ताव में आगे की बात करें तो इस प्रस्ताव के तहत, कुछ छात्रों को छूट भी दी जाने की बात कही जा रही है, जैसे कि जिनके पास मेडिकल कारण हैं या जिन्हें शिक्षा में मदद की आवश्यकता है। साथ ही न्यूयॉर्क राज्य ने स्कूलों को इस प्रतिबंध को लागू करने में मदद के लिए 13.5 मिलियन डॉलर देने का भी प्रस्ताव रखा है।

जापान में माइकोप्लाज्मा निमोनिया के मामलों में रिकॉर्ड वृद्धि देखी गई

टोक्यो, एजेंसी। जापान में माइकोप्लाज्मा निमोनिया के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है। रोगियों की संख्या

पिछले दशक की तुलना में इस समय उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। राष्ट्रीय संक्रामक रोग संस्थान के अनुसार, 12 जनवरी तक माइकोप्लाज्मा निमोनिया रोगियों की साप्ताहिक औसत संख्या 1.11 तक पहुंच गई जो इससे पहले के सप्ताह की तुलना में 0.34 की वृद्धि है। यह बीते एक दशक में सबसे अधिक औसत है। माइकोप्लाज्मा निमोनिया बच्चों में होने वाला एक आम संक्रमण है। इसमें बुखार, थकान, सिरदर्द और लगातार खांसी जैसे लक्षण होते हैं। गंभीर मामलों में यह निमोनिया का कारण बन सकता है और अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता हो सकती है। किसी व्यक्ति के बैक्टीरिया के संपर्क में आने के बाद लक्षण सामने आने में एक से चार सप्ताह लग सकते हैं। लक्षण कई हफ्तों तक रह सकते हैं। वहीं, एरिथेमा इंफेक्टियोसम बीमारी भी बढ़ रही है। यह सर्दी-जुकाम जैसे लक्षणों से शुरू होती है और फिर गालों पर लाल चकत्ते पड़ जाते हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, देश भर में लगभग 3,000 चिकित्सा संस्थानों से प्राप्त रिपोर्टों में बताया गया है कि एक सप्ताह पहले के 0.78 मामले प्रति अस्पताल की तुलना में 12 जनवरी को समाप्त सप्ताह में औसतन 0.94 मामले सामने आए। विशेषज्ञों ने मास्क पहनने सहित संक्रमण की रोकथाम के उपायों के महत्व पर बल दिया, क्योंकि इन्फ्लूएंजा भी व्यापक रूप से फैल रहा है। एम न्यूमोनिया सांसों में मौजूद वाष्प की छोटी बूंदों के माध्यम से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है। यह संक्रमण आमतौर पर सर्दियों के महीनों के दौरान होता है, लेकिन साल भर भी हो सकता है। अनुमान बताते हैं कि अमेरिका की लगभग एक प्रतिशत आबादी हर साल संक्रमित होती है। संक्रमण के वास्तविक मामले दर्ज मामलों से बहुत अधिक हो सकते हैं क्योंकि संक्रमण से हल्की बीमारी होती है जिसके लिए अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता नहीं होती है। माइकोप्लाज्मा संक्रमण का प्रकोप सेना, अस्पतालों, नर्सिंग होम आदि में भी देखने को मिलता है।

नामित रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ की बढ़ी मुश्किलें, भाभी ने हलफनामे में पत्नी के साथ मारपीट का लगाया आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में रक्षा मंत्री के लिए नामित पीट हेगसेथ की मुश्किलें दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। जहां उनके नामांकन में गड़बड़ी की जांच कर रही सीनेट को हेगसेथ के खिलाफ एक और हमफनामा मिला, जिसमें उनकी भाभी ने उनपर अपनी दूसरी पत्नी सामंथा के साथ मारपीट का आरोप लगाया है। हलफनामे में उनकी भाभी डैनियल हेगसेथ ने कहा कि उन्होंने फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) को इस बारे में दिसंबर में बताया था, लेकिन यह जानकारी कांग्रेस से साझा नहीं की गई क्योंकि सांसद हेगसेथ के नामांकन पर विचार कर रहे थे। रक्षा मंत्री के लिए नामित पीट हेगसेथ को लेकर उनकी भाभी डैनियल ने बताया कि सामंथा की बातों से हमेशा लगता था कि वो किसी खतरे में हैं। डैनियल ने ये भी बताया कि सामंथा अपने आप को सुरक्षित रखने के लिए हमेशा एक सुरक्षित शब्द का इस्तेमाल करती थीं, जिससे वो अपने लोगों को अपने आप के खतरे में होने का एहसास करा सकें और मदद मांग सकें। इसको लेकर डैनियल ने दावा किया कि 2015 या 2016 में सामंथा ने उस शब्द का उपयोग किया उन्हें ये बताने के लिए किया था कि वो खतरे में है, जिसके बाद डैनियल को मदद के लिए तीसरे पक्ष से संपर्क करना पड़ा।

नाजी सैल्यूट विवाद के बीच एलन मस्क को मिला चरमपंथियों का समर्थन, नागरिक संगठनों ने जताई चिंता

वॉशिंगटन, एजेंसी। एलन मस्क के डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में सीधे हाथ के इशारे पर विवाद बढ़ता जा रहा है। कई लोगों ने मस्क की आलोचना की है। दरअसल सीधे हाथ के इशारे को नाजी सैल्यूट होने का दावा किया जा रहा है। हालांकि कट्टर दक्षिणपंथी लोग एलन मस्क के समर्थन में उतर गए हैं। चरमपंथी लोग इसका जश्न मना रहे हैं। गौरतलब है कि एलन मस्क ने सोमवार को कैपिटल वन एरेना में एक भाषण के दौरान एलन मस्क ने डोनाल्ड ट्रंप की जीत पर खुशी जताई थी और इसी दौरान उन्होंने सीधा हाथ उठाकर वह इशारा किया था, जिसे नाजी सैल्यूट कहा जा रहा है।

दक्षिणपंथी समूहों ने किया मस्क का समर्थन : इस पूरे विवाद को हवा इस बात से भी मिली है क्योंकि मस्क ने उनके इशारे को नाजी सैल्यूट होने के दावों का न तो खंडन किया है और न ही स्वीकारा है। हालांकि उन्होंने इस मामले पर हो रही आलोचना पर तीखी नाराजगी जाहिर की। एलन मस्क ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि हर कोई हिटलर है। ये हमले बहुत थका देने वाले हैं। श्वेत राष्ट्रवादी समूह व्हाइट लाइव्स मैटर ने टेलीग्राम पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि, श्वेत ज्वाला फिर से उठेगी। श्वेत राष्ट्रवादी कीथ वुड्स ने एक्स पर साझा पोस्ट में मस्क का जोरदार समर्थन किया। एक अन्य दक्षिणपंथी ने लिखा

कि हम वापस आ गए हैं।

नागरिक संगठनों ने जताई नाराजगी : हालांकि यहूदी विरोध और मानवाधिकारों पर निगरानी रखने वाली संस्था एंटी-डिफेमेशन लीग ने मस्क के इशारे की आलोचना की। अन्य विशेषज्ञों का कहना है कि यह स्पष्ट नहीं है कि मस्क ट्रम्प समर्थकों की भीड़ को अपना हाथ आगे बढ़ाकर क्या संदेश देना चाह रहे थे। ऑनलाइन नफरत पर नजर रखने वाले इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक डायलॉग के वरिष्ठ शोध विश्लेषक जेरेड होल्ट ने कहा, मुझे संदेह है कि यह जानबूझकर किया गया था। यह लोगों के प्रति आभार व्यक्त करने का एक प्रकार का संकेत हो सकता है। अमेरिकी विश्वविद्यालय में संचार के प्रोफेसर कर्ट ब्रैडॉक ने कहा कि यह इशारा एक फासीवादी सलामी थी और लोगों को इस पर संदेह नहीं करना चाहिए। कर्ट ब्रैडॉक चरमपंथ, कट्टरपंथ और आतंकवाद का अध्ययन करते हैं। ब्रैडॉक ने मस्क के बारे में कहा, वह अभी भी इसे ऐसे टाल रहे हैं जैसे कि यह कोई गंभीर बात नहीं थी। मुझे पता है कि मैंने क्या देखा, मुझे पता है कि नव-नाजियों सहित चरम दक्षिणपंथी तत्वों के बीच इस पर क्या प्रतिक्रिया थी, और मैं देख सकता हूं कि अब क्या प्रतिक्रिया है। और इसमें से कोई भी हंसी की बात नहीं है।

यूरोप में नाजी सैल्यूट को द्वितीय विश्व युद्ध की घृणा, मृत्यु और विनाश से जोड़ा जाता है। इटली के एक कम्युनिस्ट युवा संगठन ने मंगलवार को मिलान के पियाजेल लोरेटो में मस्क का पुतला उल्टा लटका दिया, उसी जगह द्वितीय विश्व युद्ध के अंतिम दिनों में मुसोलिनी को फांसी दिए जाने के बाद उनके शरीर को उल्टा लटका दिया गया था।

तंजानिया में मारबर्ग वायरस की पुष्टि के बाद केन्या सतर्क

नैरोबी, एजेंसी। तंजानिया में फैले मारबर्ग वायरस के फैलने से पड़ोसी देश केन्या भी सतर्क हो गया है। एक स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा कि पड़ोसी देश तंजानिया द्वारा उत्तर-पश्चिमी कागेरा क्षेत्र में मारबर्ग वायरस रोग (एमवीडी) के प्रकोप की पुष्टि होने के बाद केन्या हाई अलर्ट पर है। केन्या की राजधानी नैरोबी में मंगलवार को जारी एक बयान में स्वास्थ्य मंत्रालय में सार्वजनिक स्वास्थ्य और व्यावसायिक मानकों की प्रमुख सचिव मैरी मुथोनी ने कहा कि हालांकि केन्या में कोई मामला सामने नहीं आया है, लेकिन तंजानिया और अन्य पड़ोसी देशों से सीमा पार बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही के कारण देश में इसका खतरा बढ़ गया है।

उन्होंने कहा, ÷स्वास्थ्य मंत्रालय सभी केन्यावासियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को लेकर प्रतिबद्ध है। परिणामस्वरूप, मारबर्ग वायरस रोग की तैयारी और रिस्पॉन्स प्लान के विकास के माध्यम से देश में तैयारियों को बढ़ाया जा रहा है।÷ समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, यह बयान सोमवार को तंजानिया के कागेरा क्षेत्र में मारबर्ग वायरस के प्रकोप की पुष्टि के बाद जारी किया गया, जहां संदिग्ध संक्रमण की जांच के दौरान एक पॉजिटिव मामला सामने आया।

तंजानिया ने बताया कि सोमवार तक

कुल 25 संदिग्ध मामलों की पहचान की गई है। सभी की जांच रिपोर्ट निगेटिव आई है और फिलहाल उन पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, तंजानिया ने इससे पहले मार्च 2023 में कागेरा क्षेत्र में एमवीडी प्रकोप की सूचना दी थी, जो देश का पहला मामला था, इस दौरान कुल नौ मामले और छह मौतें दर्ज की गई थीं।

मुथोनी ने कहा कि इस गंभीर बीमारी के प्रकोप को रोकने के लिए देश भर में सभी काउंटियों और प्रवेश के सभी बिंदुओं पर निगरानी बढ़ा दी गई है, क्योंकि इस बीमारी के कारण मौत भी हो जाती है। मुथोनी ने कहा, ÷हम आम जनता को सलाह देते हैं कि वे सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों का पालन करें और यदि आपको मारबर्ग वायरस रोग जैसे कोई लक्षण महसूस होते हैं तो निकटतम सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा में चिकित्सा सहायता लें।÷

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, मारबर्ग वायरस फल खाने वाले चमगादड़ों से लोगों में फैलता है और संक्रमित लोगों के शारीरिक तरल पदार्थ, सतहों और सामग्रियों के सीधे संपर्क के माध्यम से मनुष्यों में फैलता है। अफ्रीका में, अंगोला, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, घाना, केन्या, रवांडा, दक्षिण अफ्रीका और युगांडा में पहले भी इसके प्रकोप और छिटपुट मामले सामने आ चुके हैं।

यमन के तट पर नाव पलटने से 20 इथियोपियाई प्रवासियों की मौत : आईओएम

अदन, एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) ने बताया कि सप्ताहांत में दक्षिणी यमनी तट के पास एक नाव के पलट जाने से कुल 20 इथियोपियाई प्रवासियों की मौत हो गई, जिनमें नौ महिलाएं और 11 पुरुष शामिल थे। आईओएम ने एक बयान में कहा कि यह नाव, जिसमें 35 इथियोपियाई प्रवासी, एक यमन कप्तान और उसका सहायक सवार थे, कथित तौर पर जिबूती के हम्मारता क्षेत्र से रवाना हुआ था और शनिवार रात को तैज प्रांत के दुबाब जिले के अल-हज्जाजाह के पास तेज मौसमी हवाओं के बीच पलट गई। बयान में कहा गया कि जीवित बचे लोग सफलतापूर्वक तट पर पहुंच गए हैं। बयान में यमन में आईओएम के मिशन प्रमुख अब्दुसत्तोर एसोव के हवाले से कहा गया है, ÷यह त्रासदी उन खतरनाक परिस्थितियों की याद दिलाती है, जिनसे प्रवासी सुरक्षा और बेहतर जीवन की तलाश में गुजरते हैं।÷ एसोव ने कहा, ÷अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को अनियमित प्रवास के मूल कारणों को दूर करने तथा प्रवासियों की सुरक्षा और सम्मान को प्राथमिकता देने के अपने संकल्प को मजबूत करना चाहिए। यमन के तटीय जल दुनिया के सबसे खतरनाक जलक्षेत्रों में से हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, आईओएम के आंकड़ों के अनुसार, अकेले 2024 में यमन में 60,000 से अधिक प्रवासियों के आगमन का दस्तावेजीकरण किया

गया है। 2014 से अब तक पूर्वी मार्ग पर 3,435 मौतें और लापता होने की घटनाएं दर्ज की गई हैं, जिनमें डूबने से 1,416 लोगों की मौत शामिल है। मंगलवार को नाम न बताने की शर्त पर एक यमन सरकार के अधिकारी ने सिन्हुआ से बात करते हुए पुष्टि की कि यह घटना कई दिन पहले हुई थी और कहा कि दर्जनों लोग मारे गए हैं। हालांकि उन्होंने हताहतों की कोई विशिष्ट संख्या नहीं बताई। एक अन्य महत्वपूर्ण घटनाक्रम में आईओएम ने 15 जनवरी को समझौता ज्ञापन (एमओयू) और डेटा साझाकरण प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर करने के लिए इथियोपियाई सांख्यिकी सेवा (ईएसएस) और प्रवासन डेटा सृजन में शामिल 13 सरकारी संस्थानों की सराहना की। इथियोपियाई सांख्यिकी सेवा, इथियोपियाई आपदा जोखिम प्रबंधन आयोग, इथियोपियाई राष्ट्रीय आईडी कार्यक्रम, आव्रजन और नागरिकता सेवा, और रिफ्यूजी एंड रिटर्निंग सर्विस उन प्रमुख संस्थानों में से थे।

ट्रंप सरकार का बड़ा फैसला, समानता और समावेशी स्टाफ को छुट्टी पर भेजा, नौकरी से निकालने की तैयारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शपथ ग्रहण के बाद से ही लगातार बड़े फैसले ले रहे हैं। अब एक और बड़े फैसले के तहत ट्रंप ने विविधता, समानता और समावेशी विभाग के पूरे स्टाफ को छुट्टी पर भेजने का निर्देश दे दिया है। इतना ही नहीं इन लोगों को नौकरी से निकालने की तैयारी है। ट्रंप ने अपने राष्ट्रपति काल के पहले दिन कई कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, इन्हीं में से एक अमेरिकी संघीय सरकार के डीईआई विभाग के कर्मचारियों को सवेतन छुट्टी पर भेजने का भी आदेश शामिल है।

आदेश के बाद डीईआई के सारे वेबपेज बंद : मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ट्रंप ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे ऐसी योजना पर काम करें ताकि डीईआई विभाग के कर्मचारियों को नौकरी से हटाया जा सके। ट्रंप सरकार के इस कदम से भेदभाव रोधी प्रशिक्षण की फंडिंग और अल्पसंख्यक किसानों को फंडिंग प्रभावित होगी। ट्रंप के कार्यकारी आदेश के तुरंत बाद डीईआई विभाग के सारे वेबपेज बंद कर दिए गए हैं। साथ ही ये निर्देश दिया गया है कि अगर आदेश के बाद भी डीईआई संबंधी कोई कार्यक्रम जारी रहता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करें।

ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान ही इसे बंद करने का किया था वादा : डीईआई के तहत अमेरिकी न्याय विभाग को यह अधिकार मिलता है कि वे निजी कंपनियों की जांच कर सकते हैं। जिसमें कंपनियों की प्रशिक्षण व्यवस्था, नौकरी पर कर्मचारियों को रखने की प्रक्रिया की जांच की जाती है और यह पता लगाने की कोशिश की जाती है कि इसमें भेदभाव तो नहीं हो रहा है। हालांकि कई लोगों

का मानना है कि इससे गैर अल्पसंख्यकों खासकर श्वेत लोगों के साथ भेदभाव होता है। डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव प्रचार के दौरान ही डीईआई को बंद करने का वादा किया था।

विविधता प्रशिक्षण और जवाबदेही कार्यालय क्या है : ट्रंप का यह आदेश संघीय कर्मचारियों में विविधता और समावेशी प्रथाओं को शामिल करने के बाइडन सरकार की कोशिशों को समाप्त कर देगा। बाइडन सरकार में सभी संघीय एजेंसियों को विविधता योजना विकसित करने, वार्षिक प्रगति रिपोर्ट जारी करने और भर्ती और पदोन्नति में जनसांख्यिकीय रुझानों को ट्रैक करने का आदेश दिया था। प्रशासन ने डीईआई योजना के कार्यान्वयन की देखरेख के लिए एक मुख्य विविधता अधिकारी परिषद भी स्थापित की। सरकार ने 2022 में अपनी पहली डीईआई प्रगति रिपोर्ट जारी की थी, जिसके अनुसार, अमेरिका के संघीय कर्मचारियों का जनसांख्यिकीय डेटा शामिल था, जिसमें कुल मिलाकर लगभग 60प्रतिशत श्वेत और 55प्रतिशत पुरुष है, और वरिष्ठ कार्यकारी स्तर पर 75प्रतिशत से अधिक श्वेत और 60प्रतिशत से अधिक पुरुष हैं।

ट्रंप के सत्ता संभालते ही न्याय विभाग में बड़े फेरबदल : डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता संभालते ही अमेरिकी न्याय विभाग में बदलाव का दौर शुरू हो गया है। ट्रंप ने पाम बॉन्डी को नया अटॉर्नी जनरल नियुक्त किया है। बॉन्डी की नियुक्ति की पुष्टि होने से पहले ही न्याय विभाग के कई अधिकारियों के पद बदले गए हैं। जिन लोगों को पुराने पद से हटाकर नई नियुक्ति दी गई है, उनमें ब्रूस स्वार्ट्ज भी शामिल हैं, जो न्याय विभाग के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के कार्यालय के लंबे समय तक प्रमुख रहे। यह कार्यालय प्रत्यर्पण मामलों को संभालता है। कुल मिलाकर 20 से अधिक अधिकारियों की जिम्मेदारियों में बदलाव किया गया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक: सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत शहर के मध्य में तीन घंटे के लिए थम गया

मेट्रो कार्य के कारण दो किलोमीटर लंबा ट्रैफिक जाम,वाहन चालक फंसे

एक भी ट्रैफिक पुलिसकर्मी नहीं दिखा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

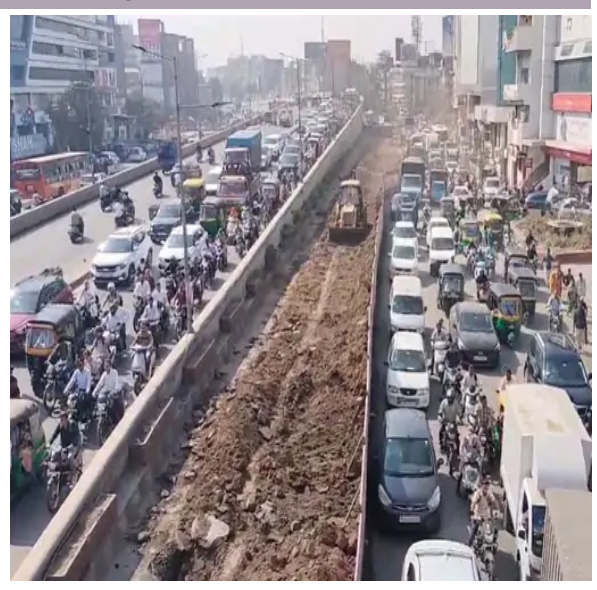

सूरत शहर के मध्य में मेट्रो परियोजना के काम के कारण तीन घंटे तक यातायात बाधित रहा। इस दौरान दो किलोमीटर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया, जिससे वाहन चालक परेशान हो गए। हालांकि, इस समय एक भी ट्रैफिक पुलिसकर्मी मौके पर नहीं दिखे, जिससे स्थिति और भी बिगड़ गई। वाहन चालकों ने परेशानी का सामना किया और यातायात के नियंत्रण के लिए पुलिस की अनुपस्थिति पर सवाल उठाए।

सूरत शहर आज मध्यभाग में तीन घंटे तक थम गया था। मजूरागेट से रिंग रोड तक दो किलोमीटर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया था। मेट्रो परियोजना के कार्य के कारण रोजाना ट्रैफिक जाम होते हैं, लेकिन आज बड़ा ट्रैफिक जाम देखने को मिला। इस ट्रैफिक जाम में दो किलोमीटर के क्षेत्र में एक भी ट्रैफिक पुलिसकर्मी दिखाई नहीं दिए। ट्रैफिक के कारण वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

सूरत शहर में मेट्रो परियोजना के कार्य के कारण विभिन्न जगहों पर खुदाई की जा रही है। इस कार्य के कारण ट्रैफिक जाम की स्थिति लगातार बन रही है। रिंग रोड और मजुरा क्षेत्र में मेट्रो की कार्यवाही शुरू होने के बाद से छोटे-बड़े ट्रैफिक जाम देखने को मिलते थे।

हालांकि, आज मजूरागेट से रिंग रोड तक दो किलोमीटर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया था। रिंग रोड पर मेट्रो के पीलर को स्थापित करने के कार्य के दौरान यह ट्रैफिक जाम हुआ था।

दो किलोमीटर क्षेत्र में हुए इस ट्रैफिक जाम ने वाहन चालकों को बाहर निकलने में लगभग आधे घंटे का समय लगा दिया। मजुरा गेट से रिंग रोड तक आज आकाशी दृश्य दिखे, जहां सड़क पर वाहनों का जाम ऐसा लग रहा था जैसे थप्पे लग गए हों।

दो किलोमीटर के इलाके में दो पुल और नीचे की सड़कों पर भी ट्रैफिक जाम देखा गया था। इस ट्रैफिक जाम के कारण 108 एम्बुलेंस को भी फंसा दिया गया था।

रोज़ाना 200 रुपये ब्याज नहीं भर पाने के कारण

रिक्शाचालक ने जहरीली दवा पीकर आत्महत्या कर ली

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में एक युवक ने रोज़ाना 200 रुपये ब्याज नहीं भर पाने के कारण आत्महत्या कर ली। युवक ने 50,000 रुपये का कर्ज लिया था, और ब्याजखोरों के तंग करने के कारण वह मानसिक तनाव में था। रिक्षाचालक युवक के परिजनों का आरोप है कि उसे ब्याजखोरों ने इतनी कड़ी मेहनत से तंग किया कि वह आत्महत्या के लिए मजबूर हो गया। परिजनों ने यह भी कहा कि यह घटना कर्ज के दबाव और रोज़ बढ़ते ब्याज के कारण हुई है, जिसे युवक भर नहीं पा रहा था।

सूरत के उमरवाड़ा में एक रिक्शाचालक ने जहरीली दवा पीकर आत्महत्या कर ली थी। मृतक के भाई ने आरोप लगाया कि वह वसीम नामक ब्याजखोर के तंग करने से परेशान था और इसी कारण उसने यह कदम उठाया। उल्लेखनीय है कि ब्याजखोर ने मृतक से कहा था कि वह 50,000 रुपये का कर्ज नहीं चुका सकता, तो उसे रोज़ाना 200 रुपये ब्याज देना होगा, और इसी धमकी से परेशान होकर युवक ने आत्महत्या की।

15 जनवरी को युवक ने दवा पी ली थी सिविल अस्पताल से प्राप्त जानकारी के अनुसार, उमरवाड़ा सलीम नगर में रहने वाले 32 वर्षीय इरफान मस्तान शेख रिक्शा चलाकर अपनी पत्नी और तीन बच्चों का पालन-पोषण करते थे। 15 जनवरी को इरफान ने अपने घर पर जहरीली दवा पी ली थी, जिसके बाद उसे इलाज के लिए नई सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। इस मामले की अधिक जांच सलाबतपुरा पुलिस कर रही है। रोजाना 200 रुपये देने की बात हुई मृतक के भाई रिजवान शेख ने आरोप लगाते हुए कहा

एमपी में हत्या कर सूरत में छिपा

उज्जैन में हत्या के मामले में पिछले 8 साल से फरार आरोपी को सूरत की पांडेसरा पुलिस ने पकड़ा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की पांडेसरा पुलिस ने मध्य प्रदेश के उज्जैन में हुई हत्या के मामले में पिछले आठ साल से फरार आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी हत्या के बाद सूरत में छिपकर रह रहा था। पांडेसरा पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि आरोपी हत्या की वारदात को अंजाम देकर फरार हो गया था और तब से अपनी पहचान छुपाकर सूरत में अलग-अलग जगहों पर रह रहा था। गिरफ्तार किए गए आरोपी से पूछताछ जारी है, और उसे आगे की कार्रवाई के लिए उज्जैन पुलिस को सौंपा जाएगा।

पांडेसरा पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पेट्रोलिंग के दौरान उन्हें सूचना मिली कि मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले के महाकाल थाना क्षेत्र में हत्या के मामले में शामिल एक आरोपी पिछले आठ साल से फरार है और पांडेसरा इलाके में छिपा हुआ है।

मध्य प्रदेश के उज्जैन महाकाल थाना क्षेत्र में हत्या के मामले में पिछले 8 साल से फरार आरोपी को सूरत की पांडेसरा पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने आरोपी को महाकाल थाने को सौंपने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

सूचना के आधार पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी कमल बापूसिंह पटेल को गिरफ्तार किया है।

पूछताछ के दौरान कमल ने कबूल किया कि उसने मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले के महाकाल थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति की हत्या की थी। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उसे मध्य प्रदेश के महाकाल थाने को सौंपने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

एसएमसी के रिटायर्ड सीनियर क्लर्क ने तीन लोगों को नया जीवन दिया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

ओवरब्रिज पर हुए हादसे में ब्रेन डेड होने के बाद परिवार ने अंगदान का फैसला लिया। सूरत नगर निगम (स्क्ष्ट) के रिटायर्ड सीनियर क्लर्क का ओवरब्रिज पर एक दुर्घटना में गंभीर चोट लगने के कारण ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया था। परिवार ने उनके अंगदान का निर्णय लिया और उनकी दो किडनी और एक लिवर दान किए गए। इस फैसले से तीन जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन मिला। अंगदान के इस महादान से परिवार ने एक मिसाल कायम की और दूसरों को प्रेरित किया।

टेक्सटाइल और डायमंड सिटी के नाम से मशहूर सूरत शहर अब देश में च्ऑर्गन डोनर सिटीज़ के रूप में भी अपनी पहचान बना रहा है। इसी कड़ी में सूरत में एक और अंगदान हुआ है। सूरत महानगरपालिका के रिटायर्ड सीनियर क्लर्क, 63 वर्षीय विजयकुमार नरेंद्रलाल ठक्कर, ब्रेन डेड घोषित किए गए। उनके परिवार ने डोनेट लाइफ संस्था के माध्यम से विजयकुमार की किडनी और लिवर दान कर तीन लोगों को नया जीवन दिया।

इस मानवीय कदम से परिवार ने समाज में मानवता की मिसाल पेश की और एक नई दिशा दिखाई।

सूरत महानगरपालिका से 2020 में सीनियर क्लार्क के पद से रिटायर हुए विजयकुमार ठक्कर, अपने परिवार के साथ जहांगीरपुरा क्षेत्र की जय जालाराम सोसायटी में रहते थे। 20 जनवरी को विजयकुमार अपनी पत्नी इलाबेन के साथ टू-व्हीलर बाइक पर स्मीमेर अस्पताल में इलाबेन की दवा लेने जा रहे थे, तभी लाल दरवाजे के पास ओवरब्रिज पर अचानक बाइक स्लिप हो गई और वे बाइक से गिर गए। माथे में गंभीर चोट लगने के कारण वे बेहोश हो गए थे। 22 जनवरी को ब्रेन डेड घोषित किए गए

सूरत में आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन

शासक पक्ष की महिला नेता ने निगम की गाड़ी में कार्यक्रम स्थल तक यात्रा की

सुभाषचंद्र बोस की जयंती पर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

कोर्पोरेशन की उपचुनाव की घोषणा होते ही आदर्श आचार संहिता सूरत शहर में लागू हो गई थी। कल शाम सूरत के मेयर, डिप्टी मेयर, शासक पक्ष के नेता और विपक्षी नेताओं ने अपनी गाड़ी जमा कर दी थी।23 जनवरी शासक पक्ष की एक महिला नेता ने पालिका द्वारा आवंटित गाड़ी में सुभाषचंद्र बोस की जयंती पर कार्यक्रम स्थल तक पहुंचकर सभी को हैरान कर दिया। शासक पक्ष के ही कुछ नेताओं ने आचार संहिता का उल्लंघन करने पर उन्हें सार्वजनिक रूप से फटकार भी लगाई, जिसकी चर्चा शहर में हो रही है। अब यह देखना है कि इस मामले में महिला नेता के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाती है।

सूरत महानगरपालिका के वार्ड नंबर 18 में भाजपा के कॉर्पोरेटर गेमर देसाई के निधन के बाद उपचुनाव की घोषणा की गई है, जिसके कारण सूरत शहर में आचार संहिता लागू कर दी गई है। आचार संहिता के तहत सभी पदाधिकारियों को शासक पक्ष और विपक्ष के नियमों के अनुसार अपनी गाड़ी जमा करनी होती है। कल शाम सूरत शहर के मेयर, डिप्टी मेयर और विपक्षी नेता ने अपनी गाड़ी जमा कर दी थी।

नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में, जिसमें निगम के पदाधिकारी उपस्थित थे, अधिकांश ने अपनी गाड़ी जमा कर दी थी और वे निजी वाहनों में पहुंचे थे। लेकिन शासक पक्ष के नेता शशी त्रिपाठी कार्यक्रम में गाड़ी लेकर पहुंचे, जिससे शासक पक्ष के अन्य पदाधिकारी भी हैरान रह गए थे।

संगठन के नेता ने शासक पक्ष के नेता को फटकारने की चर्चा

नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती के अवसर पर आचार संहिता का उल्लंघन होने की घटना के बाद, संगठन के कुछ वरिष्ठ पदाधिकारी भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। शासक पक्ष के नेता शशी त्रिपाठी को निगम की गाड़ी में आते हुए देखकर वे गुस्से में आ गए थे।

2 साल की बच्ची का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के लिम्बायत में 2 साल की बच्ची का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी के साथ पुलिस ने घटना का पुनर्निर्माण किया। लिम्बायत पुलिस ने मानसिक रूप से विक्षिप्त युवक पिंकेश भीखुभाई राठौड़ को साथ लेकर घटना का पुनर्निर्माण करवाया।

इस दौरान पिंकेश ने बताया कि उसने बच्ची को कहां से उठाया और कहां ले गया। पुलिस उसे उस टिन शेड में भी लेकर गई जहां वह बच्ची को ले गया था। वहां आरोपी ने पूरी घटना का वर्णन किया।

बेटी को कोई ले गया, यह पता चलते ही मां दौड़ी मिली जानकारी के अनुसार, सूरत के लिम्बायत क्षेत्र में रहने वाली 23 वर्षीय महिला सुबह अपनी चार साल की बेटे और दो साल की बेटी के साथ अपने जेठ के कारखाने में काम पर गई थी। दोनों बच्चे और जेठ का आठ वर्षीय बेटा कारखाने के सामने स्थित गार्डन में खेल रहे थे।

सुबह करीब 11 बजे महिला बच्चों को लेने गार्डन पहुंची तो चार वर्षीय बेटा सामने ही मिला। उसने बताया कि एक युवक उसकी बहन को उठाकर टिन के कमरे में ले गया है। यह सुनते ही मां तुरंत उस जगह की ओर दौड़ी।

अग्रसेन महिला शाखा द्वारा विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म वितरण

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा बुधवार को एसएमसी शाला क्रमांक 160 के बालमंदिर से 8th क्लास के विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म का वितरण किया गया। महिला शाखा की अध्यक्षा सोनिया गोयल ने बताया कि छात्रों के लिए हाफ पेंट, टाई, शर्टस , टी-शर्टस एवं छात्राओं के लिए शॉर्ट्स, टी-शर्ट्स इत्यादि वितरित किए गए। इस अवसर पर महिला शाखा की रुचिका रुंगटा , सीमा कोकड़ा, प्रीति गोयल, आरती मित्तल सहित अनेकों सदस्या उपस्थित रही।